www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 96 | जौनपुर बुधवार, 19 नवम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

निकाय चुनाव तक रोक दें एसआईआर, आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची केरल सरकार

केरल, (एजेंसी)। केरल सरकार ने राज्य में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा वर्तमान में किए जा रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को स्थगित करने की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर एक रिट याचिका में राज्य ने तर्क दिया है कि स्थानीय स्वशासन संस्थाओं (एलएसजीआई) के चुनावों के साथ–साथ एसआईआर कराने से गंभीर प्रशासनिक चुनौतियाँ उत्पन्न होंगी और चुनावों के सुचारू संचालन में बाधा उत्पन्न होगी। राज्य ने स्पष्ट किया कि यद्यपि वह बाद में एसआईआर प्रक्रिया की वैधता को चुनौती देने का अधिकार सुरक्षित रखता है, लेकिन वर्तमान याचिका केरल में संशोधन प्रक्रिया को स्थगित करने पर केंद्रित है। केरल में 1,200 स्थानीय निकाय चुनाव (एलएसजीआई) हैं, जिनमें 941 ग्राम पंचायतें, 152 ब्लॉक पंचायतें, 14 जिला पंचायतें, 87 नगर पालिकाएँ और 6 निगम शामिल हैं, जो कुल मिलाकर 23,612 वार्डों को कवर करते हैं। चुनाव 9 और 11 दिसंबर को दो चरणों में होने हैं। एसआईआर 4 नवंबर को शुरू हुआ, और 4 दिसंबर को मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होनी थी, जिससे पूरे संशोधन को लागू करने के लिए केवल एक महीना बचा है। राज्य का तर्क है कि यह समय–सीमा स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों से गंभीर रूप से टकराती है। याचिका के अनुसार, स्थानीय निकाय चुनाव कराने के लिए 68,000 सुरक्षा कर्मचारियों के अलावा 1,76,000 कर्मियों की आवश्यकता है।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से मिले असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, महाराष्ट्र के मालेगांव विधायक मुफ्ती इस्माइल और वकील मोमिन मुजीब से उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर मुलाकात की, जहां प्रतिनिधिमंडल ने अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं के प्रस्ताव प्रस्तुत किए। रिजिजू ने लिखा कि नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर सांसद ओवैसी साहब, मालेगांव के विधायक मुफ्ती इस्माइल साहब और महाराष्ट्र के एडवोकेट मोमिन मुजीब साहब से मुलाकात की। अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में विकास परियोजनाओं के प्रस्ताव और पोर्टल पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने संबंधी याचिका प्राप्त हुई। एक दिन पहले, एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सऊदी अरब में मदीना–मक्का राजमार्ग पर हुई एक दुखद बस दुर्घटना में भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत पर दुख और शोक व्यक्त किया था। इस दुर्घटना में उमराह पर गए कई भारतीय तीर्थयात्री शामिल थे। केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय दूतावास के साथ मिलकर काम कर रही है।

सीएम योगी ने गोरखपुर में विधि विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखपुर में 72.78 करोड़ रुपये की लागत से बने क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। कहा, देश में तीन नए कानून लागू किए गए थे। मुख्य रुप से पीएम मोदी के नेतृत्व में तीन नए कानून लागू किए गए थे, जिनकी अवधारणा प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को समय से न्याय देने की रही है। यानि ब्रिटिश कालखंड की जो अवधारणा थी, दंड पर आधारित इससे अलग हटकर हर व्यक्ति को न्याय मिले और समय से न्याय मिले, इसी वजह से भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को पिछले वर्ष जुलाई में लागू किय गया था। लागू होने के बाद ये अनिवार्य हो गया कि उन सभी अपराधों में फोरेंसिक साक्ष्य जुटाएं जाएंगे जिसमें सात वर्ष से ऊपर की सजा है। इसकी तैयारी हमने प्रदेश में पहले से ही कर ली थी। अक्सर अपराधी अपराध करता था और अपराध के बाद साक्ष्य के आभाव में अपराधी को सजा नहीं मिल पाती थी। क्योंकि लैब्स के आभाव के अपराधी बच जाते थे। 2017 में सूबे में सिर्फ 4 लैब थे। हमने उसी समय निर्देश जारी किया और कमिश्नरी स्तर पर एक एक लैब तैयार कराया जाए, इसका प्रयास शुरू किया। पिछले 8 वर्ष में 4 लैब से बढ़कर 12 लैब हो गए हैं। सूबे के 18 कमिश्नरी में लैब बनाए होंगे। 6 कमिश्नरी में लैब का काम संचालित है। यहां हर प्रकार को फोरेंसिंग साइंस से अपराध के खिलाफ समय से ठोस साक्ष्य के साथ पीडिष्त तो न्याय दिलवाने का काम किया जाएगा। हर जिले में मोबाइल फॉरेंसिंक वैन भी जुटाए गए हैं। अब अपराध करने पर पीड़ित को भटकने की जरूरत नहीं। अपराधी मौज मस्ती साक्ष्य नहीं होने से बच निकलता है, अब बचेगा नहीं। अपराध होने के कुछ ही घंटों के अंदर पुख्ता साक्षाय होगा और लैब भी बता देगी ।

प्रधानमंत्री मोदी के सामने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने रखी कर्नाटक की अहम मांगें

कर्नाटक, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपकर केंद्र से सिंचाई, पेयजल आपूर्ति, बाढ़ मुआवजा, गन्ना मूल्य निर्धारण और रायचूर में एम्स की स्थापना के लंबे समय से लंबित अनुरोध से जुड़े लंबित मुद्दों पर कार्रवाई करने का आग्रह किया। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से जल–संबंधी कई परियोजनाओं को मंजूरी देने में मदद करने का अनुरोध किया। उन्होंने समाथोलाना बैराज परियोजना के लिए मंजूरी मांगी और अनुरोध किया कि केंद्रीय जल आयोग को इस परियोजना की प्रगति के लिए आवश्यक निर्णय लेने का निर्देश दिया जाए। उन्होंने कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण के दूसरे फैसले की राजपत्र अधिसूचना जारी करने की भी माँग की, जिस पर उन्होंने कहा कि एक दशक से कार्रवाई का इंतजार है। सिद्धारमैया ने केंद्र से भद्रा ऊपरी नहर परियोजना के लिए 5,300 करोड़ जारी करने का भी अनुरोध किया, जिसकी घोषणा पहले केंद्रीय बजट में की जा चुकी थी। गन्ना मूल्य पर सिद्धरमैया की मांग उत्तर कर्नाटक में गन्ना खरीद मूल्य में वृद्धि की मांग को लेकर किसानों के विरोध प्रदर्शन के बीच आई है। मुख्यमंत्री ने मोदी को दिए ज्ञापन में बाढ़ राहत के लिए 2,100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी ।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मिले जगदीप धनखड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की है। बता दें कि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के शपथ ग्रहण समारोह के बाद ये दोनों की पहली औपचारिक मुलाकात है। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके अचानक इस्तीफे के बाद इस पद के लिए चुनाव हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि आलीशान उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में रहने वाले पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज दोपहर राधाकृष्णन से मुलाकात की। सितंबर में सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद से यह दोनों की पहली मुलाकात है। जगदीप धनखड़ ने आखिरी बार राधाकृष्णन से राष्ट्रपति भवन में उनके शपथ ग्रहण समारोह में मुलाकात की थी। उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में रहने वाले पहले शख्स है धनखड़ उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन मौलाना आजाद रोड स्थित उपराष्ट्रपति निवास में रहते थे। लगभग दो साल पहले, उपराष्ट्रपति एन्क्लेव उनका नया आधिकारिक निवास बन गया। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 13 एकड़ में फैली इस संपत्ति के पहले निवासी थे।

भाजपा-शिवसेना-राकांपा मिलकर लड़ेंगे बीएमसी चुनाव, खत्म हुई अटकलें

मुबई, (एजेंसी)। अटकलों पर विराम लगाते हुए, महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने मंगलवार को कहा कि महायुति गठबंधन में शामिल भाजपा, शिवसेना और राकांपा राज्य में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव मिलकर लड़ेंगे। नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए, बावनकुले ने कहा कि गठबंधन का लक्ष्य बीएमसी चुनावों में दो–तिहाई वार्ड और 51 प्रतिशत वोट हासिल करना है। भाजपा नेता ने कहा कि मुंबई नगर निगम चुनावों में, महायुति मिलकर चुनाव लड़ेगी। हमारा लक्ष्य मुंबई नगर निगम में सरकार बनाने के लिए दो–तिहाई सीटें और 51 प्रतिशत वोट हासिल करना है। जपा, शिवसेना और राकांपा राज्य में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव मिलकर लड़ेंगे। नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए, बावनकुले ने कहा कि गठबंधन का लक्ष्य बीएमसी चुनावों में दो–तिहाई वार्ड और 51 प्रतिशत वोट हासिल करना है। भाजपा नेता ने कहा कि मुंबई नगर निगम चुनावों में, महायुति मिलकर चुनाव लड़ेगी। हमारा लक्ष्य मुंबई नगर निगम में सरकार बनाने के लिए दो–तिहाई सीटें और 51 प्रतिशत वोट हासिल करना है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि भाजपा उम्मीद करती है कि स्थानीय निकाय चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ रहे पार्टी कार्यकर्ता अपना नामांकन पत्र वापस ले लेंगे। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि नगर परिषद चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ रहे सभी स्वतंत्र भाजपा कार्यकर्ता नामांकन वापस लेने की अंतिम समय सीमा से पहले अपना नामांकन पत्र वापस ले लेंगे। चूँकि किसी विशेष सीट पर केवल एक ही व्यक्ति को एबी फॉर्म दिया जा सकता है, इसलिए बाकी लोगों को निराश नहीं होना चाहिए ।

कांग्रेस सांसद ने बताई बिहार में एनडीए की जीत की वजह, नीतीश सरकार की इस योजना को बताया गेमचेंजर

चेन्नई, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद राजनीतिक पंडित हार–जीत का विश्लेषण करने में जुटे हैं। अब कांग्रेस सांसद कार्ती चिदंबरम ने भी माना है कि बिहार में एनडीए की जीत में कई अहम फैक्टर रहे। कार्ती चिदंबरम ने बताया कि एनडीए की सोशल इंजीनयरिंग और महिला मतदाताओं को लुभाने की रणनीति कारगर रही। कार्ती चिदंबरम ने देश में वंशवादी राजनीति पर भी बात की और इसका बचाव किया। साथ ही कहा कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में डीएमके इंडी गठबंधन का नेतृत्व करेगी। कांग्रेस सांसद कार्ती चिदंबरम ने कहा कि मेरा विश्लेषण ये कहता है कि कांग्रेस पार्टी का बिहार में वोट प्रतिशत एकजुट रहा। साल 2020 के विधानसभा चुनाव का वोट प्रतिशत और 2025 के विधानसभा चुनाव का वोट प्रतिशत लगभग समान है। राजद के साथ भी ऐसा ही है। जो अंतर पैदा किया वो लोजपा रामविलास पासवान ने किया। पिछले चुनाव में लोजपा ने अकेले चुनाव लड़ा और इस चुनाव में वे एनडीए के साथ चुनाव लड़े। लोजपा को 29 सीटें दी गईं और उन्होंने 19 सीटों पर जीत दर्ज की। साथ ही 5 प्रतिशत वोट शेयर कब्जाया। इसी ने अंतर पैदा किया। कार्ती चिदंबरम ने कहा कि एनडीए ने कई छोटी पार्टियों से भी गठबंधन किया, जो समुदाय आधारित पार्टियां हैं और इनका वोटबैंक एनडीए को मिला। साथ ही मेरे विचार से 10 हजार रुपये सीधे बैंक खाते में भेजने की योजना एनडीए को महिलाओं का वोट मिला। एआईएमआईएम पार्टी भी अलग होकर चुनाव लड़ी और उसने कांग्रेस के पारंपरिक वोटबैंक में सेंध लगाई। इस तरह ये सिर्फ संतुलन की बात है, जिनके चलते ये नतीजे आए।

दो से तीन साल में अमेरिका भी होगा पीछे : मंत्री मनोहर लाल

हैदराबाद, एजेंसी। भारत तेजी से मेट्रो नेटवर्क विस्तार की ओर बढ़ रहा है और अब देश दुनिया की सबसे लंबी मेट्रो लाइनों वाले देशों में शामिल होने की तैयारी कर रहा है। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य ने मंगलवार को कहा कि भारत अगले दो से तीन साल में अमेरिका को मेट्रो नेटवर्क की कुल लंबाई में पीछे छोड़ देगा। देश में शहरीकरण बढ़ने के साथ मेट्रो कनेक्टिविटी को लेकर सरकार की प्राथमिकताएं लगातार तेज हुई हैं और इसी का परिणाम है कि भारत अब वैश्विक स्तर पर अपनी नई पहचान बना रहा है। हैदराबाद में साउथ–वेस्ट राज्यों के शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक में मनोहर लाल ने बताया कि भारत का मेट्रो नेटवर्क 1,100 किलोमीटर तक पहुंच चुका है, जबकि अमेरिका 1,400 किलोमीटर पर है। उन्होंने कहा कि मेट्रो विस्तार की गति को देखते हुए भारत बहुत जल्द अमेरिका को पीछे छोड़ देगा। 2004–05 में केवल पांच शहरों में मेट्रो चलती थी, लेकिन आज 24 शहरों में मेट्रो नेटवर्क सक्रिय है। मंत्री ने कहा कि अमेरिका और चीन ने भारत से काफी पहले मेट्रो पर काम शुरू किया था, लेकिन भारत ने कम समय में बेहद तेज रफ्तार से नेटवर्क का विस्तार किया है। मनोहर लाल ने कहा कि देश में शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है और अनुमान है कि 2050 तक शहर और कस्बे देश के कुल जीडीपी में 80 प्रतिशत योगदान देंगे। ऐसे में मेट्रो रेल जैसी आधुनिक और तेज परिवहन व्यवस्था बेहद जरूरी हो गई है। मंत्री ने बताया कि शहरों में आर्थिक गतिविधियों, नौकरी, शिक्षा और आवागमन की बढ़ती जरूरतों के साथ मेट्रो अब आधुनिक शहरी ढांचे का सबसे अहम हिस्सा बन चुकी है और सरकार इस दिशा में बड़े पैमाने पर निवेश कर रही है।

सुरक्षाबल लगातार अलगाववादी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं : ब्रजेश पाठक

प्रयागराज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जम्मू–कश्मीर छोड़िए, दिल्ली में भी लोग सुरक्षित नहीं हैं। ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमारे देश के सुरक्षाबल लगातार अलगाववादी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देने का काम कर रहे हैं। देश विरोधी तत्वों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सोमवार को प्रयागराज का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को आगामी महा माघ मेले की तैयारियों की निगरानी करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि आगामी माघ मेले के संबंध में प्रशासन को हर स्तर पर पूरी तैयारी करने को कहा गया है। निरंतर निगरानी की जा रही है और हरसंभव बेहतर व्यवस्था की जाएगी। माघ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मेले को लेकर सारी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। भीड़ आने को लेकर आकलन कर लिया गया है। महाकुंभ के बाद से लगातार श्रद्धालु प्रयागराज आ रहे हैं। संगम पर स्नान करने के बाद विभिन्न दार्शनिक स्थलों पर जा रहे हैं। ऐसे में भीड़ का पूरा आकलन कर समुचित व्यवस्थाएं की जा रही हैं। एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों के विरोध पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि बिहार में एसआईआर हुआ। इस दौरान किसी ने भी गलत तरीके से नाम कटने या मतदाता सूची में नाम जुड़ने को लेकर आपत्ति दर्ज नहीं की।

दिल्ली ब्लास्ट के आरोपियों को पाताल से ढूंढ लाएंगे : अमित शाह

चंडीगढ़, (एजेंसी)। हरियाणा के सूरजकुंड में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक आयोजित की गई। इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि राष्ट्र की प्रगति के लिए राज्यों का आपसी सहयोग आवश्यक है। 7 मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा लगातार दिल्ली को अपने हिस्से से अधिक पानी दे रहा है, जबकि एसवाईएल नहर निर्माण के अभाव में पंजाब से उसका वैधानिक हिस्सा नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने पंजाब से जल विवादों पर चर्चा करते समय गुरुओं की महान परंपराओं को याद रखने का आग्रह किया और कहा कि जल एक साझा संसाधन है, जिसकी स्वच्छता और उपलब्धता की जिम्मेदारी सभी राज्यों की है। सैनी ने सुझाव दिया कि यदि हरियाणा के कुछ कॉलेज पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से संबद्ध हो जाते हैं, तो इससे विश्वविद्यालय और प्रदेश के छात्रों दोनों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने संकल्प पत्र के 217 वादों में से 47 को एक वर्ष में पूरा किया है। 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' ऐप लॉन्च करने और 5,22,162 महिला लाभार्थियों को 2,100 रुपये की राशि स्थानांतरित करने का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि अब तक 8.05 लाख आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। सैनी ने कहा कि हरियाणा ने सभी एजेंडा बिंदुओं पर विस्तृत टिप्पणियां दी हैं, और उम्मीद जतायी कि इस बैठक से सहकारी संघवाद को नयी दिशा मिलेगी तथा अंतर–राज्यीय मुद्दों के समाधान में सहमति बनेगी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सोमवार को यहां उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक में पंजाब विश्वविद्यालय, नदी जल पर अपना दावा दोहराया और देश में वास्तविक संघीय ढांचे की वकालत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान में स्पष्ट रूप से उन क्षेत्रों का सीमांकन किया गया है, जिनमें केंद्र और राज्यों को अपने–अपने अधिकारों का प्रयोग करना है। उन्होंने कहा कि संघवाद हमारे संविधान के बुनियादी स्तंभों में से एक है, लेकिन दुर्भाग्य से, पिछले 75 वर्षों के दौरान सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पुनर्गठन के बाद 1970 के इंदिरा गांधी समझौते में स्पष्ट रूप से कहा गया था, चंडीगढ़ का राजधानी परियोजना क्षेत्र, समग्र रूप से, पंजाब को जाएगा,। जो कि केंद्र सरकार की स्पष्ट प्रतिबद्धता थी।

संपादकीय

फ्री मार्केट सिद्धांत के खिलाफ

जब ऐसे कदम उठाए जाते हैं, तो उसके लिए तर्क गढ़ लिए जाते हैं। रोजगार बचाना आम दलील है। वीआई के मामले में यह भी कहा गया कि कंपनी फेल हुई, तो बाजार में जियो और एयरटेल का द्वि–अधिकार हो जाएगा। आलोचक अक्सर कहते हैं कि मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था का वास्तविक अर्थ हैरू फायदे का निजीकरण और घाटे का समाजीकरण। यानी जो फायदा हुआ, वह कंपनी मालिकों की जेब में जाएगा, लेकिन घाटा हुआ, तो उसे करदाताओं के पैसे भरा जाएगा। यह प्रवृत्ति अब बेहद आम हो चुकी। लेकिन इस कारण आर्थिक प्रबंधन का यह ढांचा आम जन की निगाह में लगातार अपनी साख खोता चला गया है। फिलहाल, इस प्रवत्ति के तहत भारतीय करदाताओं को 84 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की चपत लगने की आशंका पैदा हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने वोडाफोन आइडिया (वीआई) कंपनी पर बकाया एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू (एजीआर) की कुल रकम का पुनर्मूल्यांकन करने और उसे माफ करने की अनुमति केंद्र को दे दी है। यह फैसला सोमवार को आया और उसी दिन आय कर विभाग ने ट्रांसफर प्राइसिंग केस में इस कंपनी पर 8,500 करोड़ रुपये के बकाया से संबंधित मुकदमे को वापस ले लिया। 2020 के न्यायिक निर्णय के मुताबिक वीआई पर 58,254 करोड़ रुपये का बकाया एजीआर तय किया गया था। ब्याज, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज के साथ यह रकम 83,400 करोड़ रुपये से अधिक हो गई। अब ये सारी रकम माफ की जा सकेगी। इसके पहले केंद्र ने इस कंपनी को बेलआउट देने के क्रम में इसमें 49 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली थी। इसके तहत 36,950 करोड़ रुपये इस कंपनी में लगाए गए। तब यह जुमला भुला दिया कि बिजनेस में शामिल होना सरकार का काम नहीं है! दरअसल, जब कभी ऐसे कदम उठाए जाते हैं, तो उसके लिए तर्क गढ़ लिए जाते हैं। रोजगार बचाना एक आम दलील है। वीआई के मामले में यह भी कहा गया कि अगर कंपनी फेल हुई, तो बाजार में जियो और एयरटेल का द्वि–अधिकार हो जाएगा। मगर भारत सरकार को द्वि या एकाधिकार से कोई दिक्कत है, इसे मानने का शायद ही कोई आधार मौजूद हो! असल मकसद है अपनी अक्षमताओं के कारण फेल हो रही एक कंपनी को बचाना। यह सिरे से फ्री मार्केट सिद्धांत के खिलाफ है। दरअसल, ऐसे कदम क्रोनिज्म के दायरे में आते हैं। मगर आज इसकी शायद ही किसी को फिक्र हो!

समाजवाद से दूरी ने कहीं का नहीं छोड़ा

उमेश

बिहार में एनडीए की जीत को अपने–अपने नजरिए से देखा और विश्लेषित किया जा रहा है। बिहार में एनडीए की जीत के पीछे किसी को चुनाव आयोग की मिलीभगत दिख रही है तो किसी को सत्ता का दुरूपयोग तो कोई इसे भीतरघात के रूप में देख रहा है। लेकिन किसी ने इस तथ्य पर ध्यान दिया कि बिहार के पूरे प्रचार अभियान में सत्ता के दावेदार विपक्षी गठबंधन ने कितनी बार कर्पूरी ठाकुर का नाम लिया, लोहिया की सप्त क्रांति की बात छोड़िए, कितनी बार जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति की चर्चा हुई? यह सवाल इसलिए जरूरी और वाजिब लगता है, क्योंकि महागठबंधन की अगुआई जो राष्ट्रीय जनता दल कर रहा है या कर रहा था, घोषित तौर पर लालू प्रसाद यादव उसके प्रमुख हैं। जो नहीं जानते हैं, उनके लिए यह बताना जरूरी है कि लालू यादव जिस आंदोलन की उपज माने जाते हैं, उस जेपी आंदोलन के अगुआ जयप्रकाश नारायण रहे हैं। जयप्रकाश नारायण कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापकों में से थे और लालू यादव के राष्ट्रीय जनता दल घोषित तौर पर समाजवादी विचारधारा वाला दल है। जिस तरह लालू परिवार की सिरफुट्टौवल की बातें चारदीवारी से बाहर आ रही हैं, उससे साबित हो रहा है कि लालू अपनी पार्टी के सिर्फ कहने भर के अध्यक्ष हैं। पार्टी पर उनकी बजाय तेजस्वी यादव की पकड़ कहीं ज्यादा मजबूत है। एक तरह से कह सकते हैं कि तेजस्वी ही इस पार्टी के मालिक हैं। तेजस्वी जिन लोगों से घिरे हुए हैं, उन्हें तपी–तपाई समाजवादी विचारधारा से कुछ लेना–देना नहीं है। पार्टी भले ही घोषित रूप से समाजवादी हो, लेकिन हकीकत में पार्टी पर वामपंथी वैचारिक धारा का कब्जा है। तेजस्वी के करीबी संजय यादव और रमीज का नाम घर से बाहर निकाले गए तेजप्रताप यादव ने कभी खुलकर नहीं लिया, लेकिन घर से बेआबरू होकर निकली लालू यादव की दूसरी बेटी रोहिणी ने दोनों का खुलकर नाम ले लिया है। वैसे बिहार में पहले से ही चर्चा थी कि तेजस्वी को इन्हीं दोनों नामों पर भरोसा है। पता नहीं, इन दोनों ने हाथ तेजस्वी कौन की नस दबी है, लेकिन अब साफ हो गया है कि परिवार की कीमत पर अगर तेजस्वी इन पर भरोसा करते हैं तो तय है कि इसके पीछे कुछ न कुछ गंभीर कारण जरूर हैं। उनकी सियासी प्रतिभा नहीं। अगर उनकी सियासी प्रतिभा होती तो बेशक तेजस्वी आज सरकार बनाने की स्थिति में नहीं होते, लेकिन कम से शर्मनाक हार के किनारे पर उनका दल नहीं पहुंचा होता। जनता दल से अलग राष्ट्रीय जनता दल गठित करते वक्त ही तय हो गया था कि समाजवादी दर्शन की खोल में राष्ट्रीय जनता दल परिवारवाद का परचम लहराने की कोशिश करेगा। उसने लहराया भी, लेकिन उसने गांधी, लोहिया और जयप्रकाश के नाम का मुखौटा धारण किए रखा। 2025 का विधानसभा चुनाव पहला ऐसा चुनाव रहा, जिसमें ना तो टीवी और अखबारी चर्चाओं में इस दल ने लोहिया, जयप्रकाश या कर्पूरी ठाकुर का नाम लिया, ना ही मैदानी चुनावी सभाओं में इस पर फोकस किया गया। राष्ट्रीय जनता दल का टेलीविजन चौनलो पर पक्ष रखने के लिए तीन महिलाएं आगे कर दी गईं। प्रियंका भारती, कंचना यादव और सारिका पासवान को सौम्य और मृदु मृत्युंजय तिवारी और पढ़ाकू बौद्धिक मनोज झा के मुकाबले तवज्जो दी गई। तीनों महिलाएं बहस कम, बदतमीजी ज्यादा करती दिखीं। उन्हें लगा कि दबंग आवाज में अपनी बात रखेंगे तो वह दूर तक सुनी जाएगी। इन्होंने अपने विपक्षी नेताओं को खुलेआम अपशब्द कहे, उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश की। आधुनिक टेलीविजन विमर्श के बड़े और गंभीर चेहरे सुधांशु त्रिवेदी से प्रियंका ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया, उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। कंचना ने तो शुभ्रास्था के साथ सड़क छाप भाषा का इस्तेमाल किया। प्रियंका और कंचना भारतीय शिक्षा व्यवस्था में लालगढ़ के रूप में विख्यात जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की छात्राएं हैं। यह ठीक है कि जेएनयू पढ़ाई का संस्कार तो देता है, लेकिन उसका संकट यह है कि वह भारतीय समाज को वामपंथी चश्मे से देखने और समझने का जबर्दस्ती संस्कार थोप देता है। इसलिए यहां की वामपंथी राजनीति में पगा–डूबा छात्र समाज की हर समस्या के मूल को रामास्वामी पेरियार और महात्मा फुले के वैचारिक दर्शन के ही सहारे ढूंढ़ता है और उनके ही सुझाए अतिवादी विचारों के जरिए उन्हें सुलझाने की समझ विकसित करता है। प्रियंका और कंचना जेएनयू की उसी परंपरा में पगी–डूबी छात्रा हैं, इसलिए वे बिहार के समाज को

भी उसी अंदाज में समझ रही थीं और अपने हिसाब से राष्ट्रीय जनता दल को उसी नजरिए से आगे बढ़ा रही थीं। इसका असर यह हुआ कि जिस बिहार की धरती से भारतीय समाजवाद ने राजनीतिक गलियारों तक की सफल यात्रा की थी, जिसके उत्तराधिकारी खुद लालू यादव भी रहे हैं, उस समाजवाद का सार्वजनिक विमर्श में भूले–भटके भी इस्तेमाल नहीं हुआ। जिस कर्पूरी ठाकुर की राजनीति के उत्तराधिकारी लालू रहे, उनका भी नाम नहीं लिया गया। जेपी और लोहिया की तो बात ही और है। सवाल यह है कि लालू की पार्टी का जो कट्टर समर्थक यादव समुदाय है, क्या वह सचमुच पेरियारवादी है, वह फुले के वैचारिक दर्शन को मानता है। पेरियार और फुले जिस ब्राह्मणवाद की कटु आलोचना करते हैं, राजनीति को छोड़ दें तो यादव समाज भी वास्तविक जीवन में उतना ही ब्राह्मणवादी है। वह भी हिंदू है और कई बार तो कथित सवर्ण समाज से भी कहीं ज्यादा हिंदू है। वह भी उसी तरह पूजा–पाठ करता है, उसी तरह धार्मिक है, उसी तरह पारिवारिक संस्कार करता है, जैसा बाकी कथित ब्राह्मणवादी व्यवस्था वाले लोग करते हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या राम मंदिर की आलोचना करना, छठ पूजा पर सवाल उठाना क्या आम यादव समुदाय को स्वीकार्य हो पाया होगा? वैसे राबड़ी देवी ने छठ पूजा छोड़ दी है। लेकिन उनकी छठ पूजा भी कभी बिहार के मीडिया माध्यमों के लिए बड़ी खबर बनी रहती थी। तेजप्रताप को राजद के इस विचलन का पता था, शायद यही वजह है कि उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में अपील कर दी थी कि अब तेजस्वी जी की पत्नी को छठ पूजा का व्रत शुरू कर देना चाहिए। क्योंकि बिहार में सास से बहू छठ पूजा का उत्तराधिकार हासिल करती है। बहरहाल चुनाव नतीजों ने तो बता दिया कि बिहार में विपक्षी गठबंधन जिसे ब्राह्मणवादी व्यवस्था से दूर करने की कोशिश कर रहा था या दूर मान रहा था, वह भी दरअसल उसकी सोच के दूसरे बिंदु पर खड़ा है। सवाल यह है कि आखिर राष्ट्रीय जनता दल से समाजवाद की विदाई क्यों हुई? इस सवाल का जवाब तलाशना कोई राकेट साइंस नहीं है। वामपंथी वैचारिकी के करीब होने के साथ ही तेजस्वी उस राहुल गांधी के भी करीब हैं, जिन्हें हर समस्या का समाधान वामपंथी सोच में ही नजर आती है। हिंदुत्व का विरोध उनका प्रमुख राजनीतिक दर्शन है। तेजस्वी भी यही कर रहे थे। इसे बढ़ावा देने में उनके सलाहकारों संजय यादव और रमीज ने भरपूर मदद दी है। प्रियंका, कंचना और सारिका जैसी बदमिजाज प्रवक्ताओं को प्रश्रय संजय यादव और रमीज की ही शह पर दिया गया। हर घर में सरकारी नौकरी देने का तेजस्वी के वायदे के पीछे वामपंथी अतिवादी वैचारिकी का ही हाथ रहा, नतीजा सामने है। बिहार की सत्ता छींका की तरह तेजस्वी और राष्ट्रीय जनता दल से दूर हो गई है। पेरियार और फुले की वैचारिकी पर आधारित राष्ट्रीय जनता दल अगर आने वाले दिनों में बिखराव की ओर चल पड़े तो हैरत नहीं होनी चाहिए। पारिवारिक बिखराव तो खैर शुरू हो ही चुका है।

किसी ने नहीं सोचा था कि इतना बड़ा जनादेश मिलेगा

हरिशंकर व्यास

बिहार विधानसभा का नतीजा ऐसा होगा, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। न तो नरेंद्र मोदी ने सोचा था, न अमित शाह ने और न नीतीश कुमार ने। यह अलग बात है कि नारा 225 सीट जीतने का था या बातें 2010 की तरह 206 सीट जीतने की हो रही थी। लेकिन असल में किसी ने नहीं सोचा था कि इतना बड़ा जनादेश मिलेगा। तभी अमित शाह ने 160 सीटों की बात कही थी। उन्होंने जब 160 सीटों का लक्ष्य रखा तब भी एनडीए की साझीदार पार्टियां बहुत आश्वस्त नहीं थीं। सोचें, पहले चरण की 121 सीटों के चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने खुद कहा कि विपक्ष की 65 वोल्ट का झटका लगा है। इसका अर्थ यह निकाला जा रहा था कि पहले चरण में एनडीए 65 सीटें जीत रहा है। इस अनुपात में दोनों चरण मिला कर 130 से 140 सीटें हो सकती थीं। दूसरे चरण के चुनाव में मतदान पूरी तरह से दो ध्रुवीय हो गया। फिर भी डेढ़ सौ से ज्यादा सीट जाने की उम्मीद एनडीए के नेता नहीं कर रहे थे। भाजपा के बिहार प्रदेश के एक नेता ने अनौपचारिक बातचीत में कहा था कि 140 सीटें पक्की हैं और 40 सीटों पर नजदीकी मुकाबला है, जहां मेहनत करनी होगी। यानी मेहनत करके 180 सीटों तक पहुंचने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य था। उस नेता ने भी दो सौ सीटों के बारे में नहीं सोचा था। ऊपर से तमाम एक्जिट पोल नजदीकी मुकाबला दिखा रहे थे। सबके आंकड़े में दोनों गठबंधनों के बीच दो से चार फीसदी वोट का अंतर दिख रहा था और ऐसा माना जा रहा था कि अगर एक दो फीसदी वोट भी इधर उधर हुए तो समीकरण बदल जाएगा। लेकिन दोनों गठबंधनों के बीच अंतर 10 फीसदी वोट का हो गया। यह भी किसी ने नहीं सोचा था। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि पिछली बार नीतीश कुमार ने 11 मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे, जिसमें से एक भी नहीं जीत पाया था, जबकि इस बार सिर्फ चार में से दो उम्मीदवार चुनाव जीत गए। जनता दल यू की ओर चौनपुर सीट पर जमां खान जीते, जबकि अररिया सीट पर शगुफ्ता अजीम चुनाव जीत गईं। इस बारे में भी किसी ने नहीं सोचा था। इस बार जदयू पूरी तरह से भाजपा के रंग में रंगी हुई दिखाई दी। योगी आदित्यनाथ ने जनता दल यू के उम्मीदवारों की सीटों पर प्रचार किया। पूरे गठबंधन ने सिर्फ पांच मुस्लिम उम्मीदवार उतारे, जिसमें चार जदयू के और एक लोजपा का था। अमित शाह से पूछा गया कि भाजपा ने कोई मुस्लिम उम्मीदवार नहीं दिया तो उन्होंने कहा कि इसमें क्या नई बात है, भाजपा पहले भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं देती थी। इसके बावजूद दो मुस्लिम उम्मीदवार जीत गए। इतना नहीं 50 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले ठाकुरगंज सीट पर भी जदयू के गोपाल अग्रवाल चुनाव जीत गए। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के कारण जिन सीटों पर नजदीकी मुकाबले का अंदाजा लगाया जा रहा था उन सीटों पर भी भाजपा और जदयू के उम्मीदवार भारी अंतर से जीते हैं। कुम्हरार की सीट पर प्रोफेसर केसी सिन्हा के कारण भाजपा मुश्किल में लग रही थी लेकिन वह 40 हजार से ज्यादा वोट से जीती। ऐसे ही दीघा जन सुराज के रितेश रंजन के कारण मुश्किल हो रही थी तो वह सीट भाजपा 50 हजार वोट से जीती। भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव के सामने भाजपा की स्थिति कमजोर थी और ऊपर से एक निर्दलीय वैश्य उम्मीदवार के कारण मुश्किल बढ़ रही थी पर वह सीट भी भाजपा जीत गई। बिहार से सबसे पॉपुलर यूट्यूबर मनीष कश्यप जन सुराज की टिकट पर चनपटिया सीट लड़ रहे थे और माना जा रहा था कि वे जीतेंगे या अपनी जाति के भाजपा उम्मीदवार को हरवा देंगे लेकिन वहां भी भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की।

दरभंगा की अलीनगर सीट पर लोक गायिका मैथिली ठाकुर को टिकट देकर भाजपा फंस गई थी लेकिन वहां भी उसे बड़ी जीत मिली। बेतिया सीट पर पूर्व उप मुख्यमंत्री रेणु देवी बहुत देर तक पीछे चल रही थीं। बिहार में सबसे ज्यादा वोट से मेयर चुनीं गईं गरिमा सिकारिया के पति रोहित शिकारिया और जन सुराज के अनिल कुमार सिंह के कारण रेणु देवी मुश्किल में थीं लेकिन वे भी चुनाव जीत गईं। इसी तरह रक्सौल की सीट पर भाजपा के कुशवाहा और जन सुराज के कुर्मी उम्मीदवार की लड़ाई में राजद के वैश्य उम्मीदवार के जीतने की संभावना बताई जा रही थी लेकिन वहां भी भाजपा जीत गई।

बिहार चुनावों में लगे झटके से इंडिया को उचित सबक लेना चाहिए

नित्य

हर राज्य के चुनाव के लिए एक अलग चुनावी रणनीति की जरूरत होती है। केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के लिए चुनावी परिदृश्य तय हैं, लेकिन असम में यह अभी भी अस्थिर है। अभी तो बस एक कदम आगे बढ़ा है, असम में इंडिया ब्लॉक की अंतिम जीत के लिए कुछ और कदम उठाने की जरूरत है। दिल्ली के बाद 2025 में होने वाला एक और विधानसभा चुनाव भाजपा ने जीत लिया है। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने बिहार विधानसभा चुनावों में भारी जीत हासिल की है और 243 सदस्यीय राज्य विधानसभा में एनडीए के घटकों की जीत ने राजद और इंडिया ब्लॉक के अन्य घटकों को चौंका दिया है। एनडीए को 202 सीटें मिली हैं, जबकि महागठबंधन को 35 और अन्य को छह सीटें। ऐसे समय में जब तेजस्वी यादव को महागठबंधन का संभावित मुख्यमंत्री घोषित किए जाने के बाद इंडिया ब्लॉक में भारी उत्साह था और राहुल गांधी के नेतृत्व में एसआईआर के खिलाफ आंदोलन ने चुनाव आयोग और केंद्र के खिलाफ एक बड़े आंदोलन का रूप ले लिया था, महागठबंधन की रणनीति और चुनाव अभियान में क्या गलती हुई? इसका आकलन इंडिया ब्लॉक के नेताओं और उनके थिंक टैंक को सावधानीपूर्वक करना होगा। सबसे पहले, 2025 के इस चुनाव ने मुख्यमंत्री का पुनर्वास कर दिया है। उनके पास कहावत के अनुसार नौ जन्म हैं। भाजपा को अकेले सबसे ज़्यादा 89 सीटें मिली हैं, जबकि जदयू को 85 सीटें। लेकिन नीतीश कुमार को पूरी शक्तियों के साथ शपथ दिलाई जानी है और राज्य भाजपा नेतृत्व को तब तक लंबा इंतजार करना होगा जब तक जदयू सुप्रीमो शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। दूसरी बात, नीतीश कु मार की वजह से महिलाओं का समर्थन निश्चित रूप से एनडीए के पक्ष में गया है। चुनाव से कुछ दिन पहले महिलाओं के लिए अतिरिक्त धनराशि की घोषणा का बड़ा असर हुआ। नीतीश कु मार सत्ता में थे, इसलिए उन्हें रेवड़ियों का पहला फायदा मिल सकता था। राजद नेता की बाद की घोषणा उस प्रभाव को हासिल करने में विफल रही। वास्तव में, चुनावों में महिलाओं की भागीदारी और उनके मताधिकार का आक्रामक रूप से दावा, महिलाओं को नकद हस्तांतरण सहित विभिन्न महिला–केंद्रित योजनाओं का परिणाम है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल में दिखाया है कि राजनीतिक लाभ पाने के लिए इसे राज्य में कितनी प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है। तीसरी बात, एसआईआर पर रणनीति का समग्र रूप से इंडिया ब्लॉक द्वारा उचित मूल्यांकन किया जाना चाहिए। कांग्रेस को केवल 6 सीटें मिलीं – इससे बिहार में कांग्रेस के संगठनात्मक कद का पता चलना चाहिए, जिसने लगातार राजद से अधिक सीटों के लिए सौदेबाजी की। राजद महागठबंधन का नेता था। इसलिए एनडीए की भारी जीत से उसे सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ। लेकिन मतदान के आंकड़ों से पता चलता है कि राजद को भाजपा से ज़्यादा वोट मिले। राजद में क्षमता है और यही वह पार्टी है जो 2025 के चुनाव अभियान में अपनी कमजोरियों का आकलन करके वापसी कर सकती थी। इसी तरह, भारी हार झेलने वाली भाकपा (माले)एल को यह आकलन करना होगा कि 2020 का उसका आधार कुछ हद तक कम हो गया है। पार्टी ने अपने उम्मीदवारों के साथ–साथ अन्य महागठबंधन उम्मीदवारों के लिए भी कड़ी मेहनत की। भाकपा (माले)एल के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य को 2025 के चुनावों में अपनी पार्टी और महागठबंधन के खराब प्रदर्शन की गहराई से जांच करनी होगी।यह स्पष्ट है कि प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी और ओवैसी की एआईएमआईएम ने महागठबंधन के वोट, खासकर राजद के वोट काटे। संसदीय लोकतंत्र में चुनावों के दौरान ऐसी बातें होती रहती हैं। लेकिन महागठबंधन को असली झटका चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रालोद) से लगा, जो अपने दलित वोट एनडीए उम्मीदवारों को हस्तांतरित कर सकी। 21 सीटों के साथ, चिराग पासवान राज्य और केंद्र, दोनों ही राजनीति में शक्तिशाली हो गए हैं। हालांकि इंडिया ब्लॉक और महागठबंधन नेतृत्व से महागठबंधन की हार के लिए जिम्मेदार कारकों पर आत्ममंथन करने की उम्मीद की जा रही है, लेकिन भाजपा के लिए यह उनके गौरव का क्षण है। हालांकि केंद्रीय नेता बिहार में एनडीए की निश्चित जीत की बात कर रहे थे, लेकिन निजी तौर पर वे चिंतित थे। एसआईआर के खिलाफ आंदोलन ने नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों को ही परेशान कर दिया था। लेकिन वे बेहतरीन रणनीतिकार हैं। बिहार चुनाव में अपनी रणनीति की जीत का श्रेय अमित शाह जरूर लेंगे। अब उनका अगला ध्यान केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के अगले विधानसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने पर है। बिहार चुनाव की हार से उचित सबक लेना और अप्रैलध्मई 2026 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के अगले दौर में चुनौती का सामना करने के लिए एकजुट होकर तैयारी करना, इंडिया ब्लॉक के लिए एक बड़ा काम है। अब केवल चार महीने बचे हैं। इसलिए इंडिया ब्लॉक के घटकों के पास समय नहीं बचा है, उन्हें संबंधित राज्यों में अपना काम शुरू कर देना चाहिए।

भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विपक्षी सरकारों को गिराने की पूरी कोशिश करेगा। केरल में, मुकाबला माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के बीच है, भाजपा ज़्यादा से ज़्यादा दोध्तीन सीटें हासिल कर सकती है। नई सरकार का नेतृत्व इंडिया ब्लॉक के किसी भी सहयोगी, माकपा या कांग्रेस, द्वारा किया जाएगा। इसी तरह पश्चिम बंगाल में, ममता बनर्जी के रूप में, इंडिया ब्लॉक को एक राजनीतिक रणनीतिकार मिल गया है जो 2026 के विधानसभा चुनावों में राज्य स्तर पर भाजपा का मुकाबला कर सकता है। सभी संकेत यही बताते हैं कि गृह मंत्री अमित शाह चाहे जितने भी प्रयास करें, भाजपा संगठनात्मक रूप से बेहतर प्रदर्शन करने की स्थिति में नहीं है। इंडिया ब्लॉक के लिए, 2026 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले तमिलनाडु में हुए हालिया घटनाक्रमों से चिंतित होने का एक कारण जरूर है। फिल्म स्टार विजय हलचल मचा रहे हैं और उन्हें युवाओं और महिलाओं का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। उनकी राजनीतिक पार्टी ने अभी तक गठबंधन पर कोई रुख तय नहीं किया है। लेकिन अगर विजय, एआईएडीएमके–भाजपा गठबंधन के साथ हाथ मिलाते हैं, तो इससे स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके और इंडिया ब्लॉक के घटकों, जो मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं, के लिए खतरा पैदा हो सकता है। 2025 में तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति 2021 के चुनावों से थोड़ी अलग है। डीएमके के नेतृत्व वाले मोर्चे को इस चुनौती को गंभीरता से लेना चाहिए।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) : एक सिंहावलोकन

सुश्री सुरभि तिवारी

भारत निर्वाचन आयोग केद्वारा देश के 12 राज्यों में दूसरे चरण का एसआईआर अर्थात मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चल रहा है 7 एसआईआर को लेकर आम आदमी के मन में कई तरह की जिज्ञासाएँ और चिंताएँ हैं। लोग सोच रहे हैं कि अचानक घर–घर फॉर्म बाँटने, जानकारी लेने और बार–बार सत्यापन करने की जरूरत क्यों पड़ गई है और यह सब आखिर चल क्या रहा है। आम वोटर की सबसे बड़ी चिंता यह है कि कहीं उसका नाम मतदाता सूची से हट न जाए, खासकर तब जब बीएलओ दस्तावेज नहीं ले रहा। बहुत से लोग उलझन में हो सकते हैं कि बिना दस्तावेज दिए उनकी पहचान कैसे सुनिश्चित होगी और क्यों नए फॉर्म, नई फोटो और नई घोषणाएँ माँगी जा रही हैं। कुल मिलाकर आम आदमी के मन में यह मिश्रित भावना है कि यह हो क्या रहा है?, कहीं मेरा नाम हट न जाए और साथ ही यह उम्मीद भी कि इस अभियान से मतदाता सूची अधिक सही, साफ और अद्यतन हो जाएगी और अंततरू उसका वोट सुरक्षित रहेगा। तो आइये एस आई आर की इस प्रक्रिया को विस्तार से समझते है7 भारत जैसे बड़ी जनसँख्या वाले और विविधता से परिपूर्ण राष्ट्र में जहाँ प्रत्येक नागरिक का मत ही लोकतंत्र का मूल आधार है,इस मत का सही महत्व तब ही हो सकता है, जब मतदाता सूची शुद्ध, अद्यतन और समावेशी हो।दीर्घ अंतराल के बाद शहरीकरण, प्रवासन, मृतकों के नाम , दोहरे पंजीकरण, अशिक्षा, असमान पहुँच तथा तकनीकी व्यवधानों के कारण मतदाता सूची में त्रुटियाँ उत्पन्न हो जाती हैं। इसी कारण भारत निर्वाचन आयोग समय–समय पर विशेष गहन पुनरीक्षण (विशेष गहन पुनरीक्षण कृ एसआईआर) कराता है, ताकि प्रत्येक नागरिक की वास्तविक उपस्थिति सूची में सुनिश्चित की जा सके।विधि के अनुसार, मतदाता सूची को संशोधित किया जाना चाहिए । 1951 से 2004 तक 8 बारएसआईआरकियाजाचुकाहै । मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और झारखंड में अंतिम एसआईआर 01.01.2003 को हुआ था, जबकि पश्चिम बंगाल, गुजरात, तमिलनाडु के अधिकांश विधानसभा क्षेत्रों, महाराष्ट्र आदि में अंतिम गहन पुनरीक्षण01.01.2002 को संपन्न हुआ था। कुछ राज्यों जैसे असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड में यह 01.01.2005 को आयोजित हुआ था।इस प्रकार अंतिमएसआईआर 21 सालसेअधिकपहले 2002–2004 मेंकियागयाथा,इन तिथियों का उल्लेख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके आधार पर यह पता चलता है कि वर्षों से कहाँ गहन सत्यापन नहीं हुआ और कितनी आवश्यकता है कि 2025–26 का यह एसआईआर अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए।प्रथम चरण में बिहार में संपन्न होने के बाद अब दूसरे चरण में 12 राज्यों में भी एस आई आर का सुचारु रूपसे संचालन हो रहा है 7 वर्तमान विशेष पुनरीक्षण01 जनवरी 2026 की योग्यता तिथि के आधार पर आयोजित किया जा रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य हैकृनिर्वाचक नामावली का घर–घर जाकर वास्तविक भौतिक नामांकन करना। इसके अंतर्गत बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) सीधे प्रत्येक घर पहुँचकर मतदाता की वास्तविकता, पते, पहचान, निवासऔर पात्रता की पुष्टि करते हैं। यह प्रक्रिया सामान्य संक्षिप्त पुनरीक्षण से कहीं अधिक व्यापक और सघन होती है, क्योंकि इसमें यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई भी पात्र नागरिक सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति शामिल न हो। बीएलओ द्वारा पहले से प्रिंट फॉर्म प्रत्येक मतदाता को दिया जाता है, जिसमें मतदाता का नाम, ईपिक नंबर, पता, मतदान केंद्र, विधानसभा क्षेत्र तथा फोटो जैसी जानकारी पहले से मुद्रित रहती है। मतदाता को यह जानकारी जाँचकर, आवश्यक संशोधन सहित बीएलओ को लौटा देना होता है। ऑनलाइन फॉर्म भरने की सुविधा भी उपलब्ध है और ऐसे फॉर्म बीएलओ के मोबाइल ऐप पर स्वतरू प्राप्त हो जाते हैं, जिनका सत्यापन घर–घर भ्रमण के दौरान किया जाता है। इस एसआईआर की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि बीएलओ घर–घर भ्रमण के दौरान किसी भी मतदाता से कोई भी दस्तावेज एकत्र नहीं करेगा।बिहार में हुए एसआईआर और वर्तमान में 12 राज्यों में चल रहे एसआईआर के बीच सबसे बड़ा और मूल अंतर यही है। दस्तावेज केवल तभी माँगे जाएंगे जब प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित हो जाए और ईआरओ किसी विवरण की पुष्टि हेतु औपचारिक नोटिस जारी करें। बीएलओ को घर–घर भ्रमण के दौरान फॉर्म–6 और घोषणा पत्र साथ रखना आवश्यक है, ताकि यदि कोई नया मतदाता जुडना चाहे या कोई व्यक्ति राज्य के बाहर से स्थानांतरण पर आया हो, तो उसे तत्काल फॉर्म उपलब्ध कराया जा सके। फॉर्म–6 के साथ घोषणा–पत्र देना अनिवार्य है, जिसमें यह स्पष्ट किया जाता है कि आवेदक ने किसी भी अन्य देश की नागरिकता प्राप्त नहीं की है और उसका नाम किसी अन्य विधानसभा क्षेत्र या संसदीय क्षेत्र में दर्ज नहीं है। गृह–भ्रमण 04 नवंबर 2025 से 04 दिसंबर 2025 तक निर्धारित किया गया है। इस अवधि में बीएलओ प्रत्येक मतदाता से संपर्क के लिए कम से कम तीन बार जाएगा। यदि कोई मतदाता उपलब्ध नहीं होता, तो बीएलओ पड़ोसियों से तथ्य संग्रह कर उसे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत्यु या डुप्लिकेट श्रेणी में चिह्नित कर सकता है। जिन मतदाताओं के फॉर्म वापस नहीं आते, उनकी सूची पंचायत भवन, शहरी निकाय, ब्लॉक कार्यालय तथा सीईओ वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाएगी, ताकि कोई भी नागरिक अपने या अपने परिवार से संबंधित स्थिति की पुष्टि कर सके। ड्राफ्ट रोल 09 दिसंबर 2025 को प्रकाशित किया जाएगा, जिसके बाद 09 दिसंबर से 08 जनवरी 2026 तक दावे व आपत्तियाँ आमंत्रित की जाएँगी। इसी अवधि में ईआरओ नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेजों की मांग कर सकता है और 31 जनवरी 2026 तक सुनवाई व निपटान प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अंतिम मतदाता सूची 07 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। इस पूरीप्रक्रिया में राजनीतिक दलों और उनके बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) को भी शामिलकिया गया है , राज्य और जिला स्तर पर राजनीतिक दलों और बीएलए की नियमित बैठकें आयोजित की जा रही हैं ।राजनीतिक दल जमीनी स्तर पर मतदाताओं की वास्तविक स्थिति को जानते हैं, इसलिए उनके बीएलए बूथ–स्तर पर सक्रिय भूमिका देकर यह सुनिश्चित भी कर रहे है कि नाम जोडने, हटाने या संशोधन जैसी प्रक्रियाओं में किसी भी प्रकार का पक्षपात या त्रुटि नहीं हुईहै। इस विशेष गहन पुनरीक्षण में नागरिकता और जन्मधनिवास की पुष्टि के लिए दस्तावेजों की एक विस्तृत, परंतु संकेतात्मक सूची भी निर्धारित की गई है। इसमें जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, शिक्षा प्रमाण पत्र, सरकारी पहचान पत्र, जाति प्रमाण, परिवार रजिस्टर, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, जमीनध्मकान आवंटन प्रमाण पत्र, एनआरसी (जहाँ लागू) तथा सरकारी संस्थानों द्वारा 01 जुलाई 1987 से पहले जारी पहचान पत्र सम्मिलित हैं।

महिलाएं खुद को कमजोर न समझें, पुरुषों पर भी बने धारावाहिक

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में सोमवार से समर्थ नारी व समृद्ध भारत विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि हर धारावाहिक के केंद्र में महिलाएं ही क्यों होती हैं। पुरुषों पर आधारित धारावाहिक भी बनने चाहिए। महिलाएं खुद को कमजोर न समझें और न ही उन्हें कमजोर समझा जाए। सामाजिक बदलाव में पुरुष और महिला दोनों की बराबर की जिम्मेदारी है। सभी को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए। संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. सर्व नारायण झा ने कहा कि सुरक्षा व सुरक्षा का भाव दोनों ही देना जरूरी है। यह सम्मान व आत्मीयता का प्रतीक है। सुझाव दिया कि घरों में ऐसी किताबें रखी जाएं जिनसे बच्चों में आदर्श जीवन–मूल्यों का विकास हो। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. कविता बिसारिया ने कहा कि नारी का सशक्त होना ही भारत के उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी है। भोपाल परिसर की डॉ. अर्चना दुबे ने कहा कि नारी स्वतंत्र भी रहे और सुरक्षित भी। यह संतुलन परिवार और समाज की जिम्मेदारी है। नारी की समरसता मूलरूप से भारतीय संस्कृति की मर्यादा बनाए रखने में है। भोपाल से डॉ. संगीता गुंडिचा ने कहा कि महिलाओं को प्रबुद्ध करने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर नेतृत्व करने में अत्यंत उपाधि सिद्ध होगा। कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के व्याकरण विभाग के डीन प्रो. शिवानी ने कहा कि भारतीय नारी का विचार भारतीय परंपरा की अनमोल धरोहर है। शोभा बाजपेयी ने कहा कि प्राचीन भारत में अरुंधति जैसी स्त्रियां पुरुष ऋषियों के समकक्ष स्थान रखती थीं। डॉ. रानी दधीचि ने कहा कि भारतीय संस्कृति स्त्री को सदैव ज्ञान, धैर्य और परामर्श का स्रोत मानती है। लीना सक्सेना ने कहा कि आज की स्त्री स्वतंत्रता और मंच पर बोलने का अधिकार 150 वर्ष पूर्व की स्त्रियों के कठोर संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लंबे संघर्ष को भी प्रेरक उदाहरण बताया। अधिवक्ता शिखा सिन्हा ने स्त्री अधिकारों, कानूनी जागरूकता और सुरक्षा कानूनों की अनिवार्यता पर बल दिया।

किसान की हत्या से सनसनी, गले और हाथ पर मिले गंभीर चोट के निशानय पुलिस कर रही जांच

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी में किसान की हत्या कर दी गई। मंगलवार की सुबह उसका शव सड़क किनारे पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। ग्रामीण परेशान परिजन को ढांढस बंधाते

रहे। घटना फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के मीरनगर गांव की है। गांव निवासी राजमल (45) की हत्या हुई है। शव गांव से करीब 200 मीटर की दूरी पर बड्डूपुर मार्ग पर सड़क किनारे मिला। गले और हाथ पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। खबर मिली तो घरवाले रोते बिलखते पहुंच गए। घरवालों ने बताया कि राजमल किसानी करके परिवार का भरण पोषण करते थे। घर में पत्नी सियापति, एक बेटा और एक बेटी है। वह सोमवार की देर रात शौच के लिए घर से निकले थे। इसके बाद घर नहीं लौटे। सुबह बिस्तर पर नहीं दिखे तो घरवालों ने तलाश शुरू की। शव मिलने की खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। पास में ही शौच के लिए ले जाया डिब्बा पड़ा था।

संक्षिप्त खबरें

राजकीय आईटीआई में रोजगार मेला कल, 200 पदों पर होगी भर्ती

लखनऊ, (संवाददाता)। अलीगंज स्थित राजकीय आईटीआई परिसर में बुधवार को रोजगार मेला लगाया जाएगा। इस दौरान ऑटोमोबाइल, मैन्युफैक्चरिंग और इंश्योरेंस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में करीब 200 पदों पर युवाओं को नौकरी पाने का अवसर मिलेगा। प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान ने बताया कि टाटा मोटर्स लिमिटेड लखनऊ, इंडो ऑटो कम्पोनेंट, गुजरात, डीलक्स बीयरिंग, राजकोट, जय भारत मारुति अहमदाबाद, एजीस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस लखनऊ, वीजी ऑटो कम्पोनेंट, गुजरात, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस लखनऊ और जेएनएस इन्स्ट्रुमेंट्स, अहमदाबाद जैसी कंपनियां प्रतिभाग कर रही हैं। चयनितों को 14,863 रुपये से 21,000 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। मेले में प्रतिभाग के लिए शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई, डिप्लोमा या स्नातक है। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इच्छुक अभ्यर्थी 19 नवंबर को समस्त शैक्षिक व जरूरी प्रमाणपत्रों सहित राजकीय आईटीआई अलीगंज में प्रतिभाग कर सकते हैं।

ध्यान व योग कार्यक्रम 28 को, राष्ट्रपति करेंगी शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। मुज्जमनगर सुल्तानपुर मार्ग स्थित गुलजार उपवन में 28 नवंबर को एक दिवसीय विश्व एकता और विश्वास विषय पर ध्यान और योग कार्यक्रम होगा। इसका शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। इसे लेकर सोमवार को गोमतीनगर के विपुलखंड में ब्रह्माकुमारीज संस्था की ओर से केंद्र में सुबह 11 बजे प्रेसवार्ता कर यह जानकारी दी गई। उप अंचल प्रभारी राजयोगिनी राधा दीदी ने बताया कि इस राज्यस्तरीय कार्यक्रम की रूपरेखा बनाकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसका मुख्य उद्देश्य विश्व एकता और विश्वास को बढ़ा देना है। 28 नवंबर को दोपहर 12 बजे राष्ट्रपति कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगी। वह पिछले 24 वर्षों से संस्था से जुड़ी हैं। माउंट आबू से आईं लीना दीदी ने बताया कि इसमें विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि, राजयोग प्रशिक्षक और सामाजिक क्षेत्र के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोग भाग लेंगे। भाई नथमल, मंजू दीदी आदि लोग मौजूद रहे।

धरती आबा की सुंदर प्रस्तुति से दर्शक मंत्रमुग्ध

लखनऊ, (संवाददाता)। जनजाति भागीदारी उत्सवद्2025 के तहत सांस्कृतिक सत्र में पांचवें दिन जनजाति के कलाकारों ने बिरसा मुंडा पर आधारित नाटक धरती आबा की सुंदर प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर जनजाति कलाकारों ने परंपरागत और विविध जनजातीय नृत्य का प्रदर्शन कर दर्शकों को भी थिरकने पर मजबूर कर दिया। सोमवार को सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत बूटी बाई (चित्रकूट) व उनके दल की ओर से चांगेलिया नृत्य के साथ किया गया। जिसने मंच पर उत्साह और लोकधुनों का ऐसा संगम रचा कि सभागार तालियों से गूंज उठा। राजकुमारी (बहराइच) ने पारंपरिक हूरदूंगवा नृत्य प्रस्तुत कर तराई क्षेत्र की सांस्कृतिक छटा का जीवंत अनुभव कराया। अबू सालेह (पश्चिम बंगाल) व उनके दल ने रायबेंसे नृत्य की वीरता और तालबद्ध युद्धक शैली से दर्शकों का दिल जीत लिया।

तकनीक नौकरी नहीं खाती, नए अवसर देती है - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टेक्नोलॉजी से नौकरी नहीं जाती हैं, बल्कि इससे नए अवसर पैदा होते हैं। यह हम पर निर्भर करता है

कि हम उसे कैसे भुनाते हैं। मुख्यमंत्री सोमवार को बीबीडी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को दीक्षांत भाषण दे रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास के नाम पर इस विश्वविद्यालय का नामकरण हुआ है। वे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के रचनाकार पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय अखिलेश दास गुप्ता को भी नमन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बीबीडी विश्वविद्यालय में पढ़ाई के साथ ही खेल सुविधाओं की तारीफ की। इस मौके पर डिग्री प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में सदा नया सीखने का अवसर प्राप्त होता है। अलग–अलग सेक्टरों में हमें नए अवसरों को ढूंढने का प्रयास करना चाहिए। जीवन में धैर्य, संतुलन खोए बिना अडिग होकर आगे बढ़ेंगे तो सफलता कदम चूमेगी। उन्होंने कहा कि हम जो करते थे, दुनिया उसका अनुसरण करती थी। जब हमने दुनिया का अनुसरण शुरू किया तो हमारी ताकत भी कम होती गई। उन्होंने कहा कि 1990 के प्रारंभ में कंप्यूटर का चलन प्रारंभ हुआ तो कई संस्थानों ने कहा कि रोजगार पर प्रहार होगा लेकिन इससे रोजगार के अवसर बढ़े। संस्थानों को नई तकनीक पर आधारित शॉर्ट टर्म, सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा कोर्स, ड्रोन–रोबोटिक, आईओटी, एआई के कोर्स कराने चाहिए। विशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में आठ लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी लेकिन कहीं भी किसी प्रकार जाति, समुदाय आदि देखकर नहीं बल्कि योग्यता की वरीयता के आधार पर नौकरी दी गई।

सड़क हादसे में घायल दो और लोगों ने तोड़ा दम, पिता–पुत्र के बाद मां की मौत से मची चीत्कार

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली में सोमवार की शाम हुए सड़क हादसे में मंगलवार की सुबह दो और लोगों की मौत हो गई। जबकि, दो लोगों की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। घटना से घरों में चीख पुकार मच गई। इससे पहले शाम को मौके पर ही पिता–पुत्र की मौत हो गई थी। हादसा डलमऊ कोतवाली क्षेत्र के मुंशीगंज–डलमऊ राजमार्ग पर चौदह मील के पास सोमवार की शाम करीब 6 बजे हुआ। क्षेत्र के ही सरायं दिलावर गांव निवासी आशिक (35) परिवार सहित निमंत्रण में रायबरेली गया था। वहां से पत्नी शाहीन (30), पुत्री अरीबा (10), बेटे अरसम (4) के साथ बाइक से लौट रहा था। क्षेत्र के ही पूरे बांके मजरे खड़गपुर कुर्मियाना निवासी

राजकुमार (35) अपने दोस्तके साथ बाइक से रायबरेली से घर लौट रहे थे। चौदह मिल के पास डलमऊ से रायबरेली की ओर जा रहे ट्रक ने पहले आशिक की बाइक में टक्कर मारी। फिर राजकुमार व उसके दोस्त को रौंद दिया। हादसे में आशिक और उसके बेटे अरसम की मौत मौके पर हो गई थी। मंगलवार को आशिक की पत्नी शाहीन और दूसरी बाइक पर सवार राजकुमार की भी मौत हो गई। मौतों से परिवार के लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है। वहीं पति–पत्नी और बेटे की मौत से सरायं दिलावर गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। गांव में मातम का छाया है।

संक्षिप्त खबरें

घूमर व राजस्थानी लोक गीतों की बिखरी छटा

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस सप्ताह का पहला सांस्कृतिक दिवस सोमवार को उत्साह और ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। दोपहर दो से शाम पांच बजे तक चले सांस्कृतिक सत्र में छात्रों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। मुख्य प्रस्तुतियों में सांस्कृतिक नृत्य, संगीत, तबला, गिटार और गायन शामिल रहे। कशिश जायसवाल व समूह की गणेश वंदना, दीपिका राज का घूमर नृत्य विशेष रूप से सराहा गया। अनुष्का तिवारी की ओर से प्रस्तुत राजस्थानी लोक गीत और श्रुति व समूह का छठ गीत कार्यक्रम की प्रमुख आकर्षणों में रहा। वहीं विनायक सिंह की टीम की ओर से 'बेरोजगारी' पर प्रस्तुत सामाजिक सरोकारों से जुड़ी लघु नाटिका को दर्शकों ने पसंद किया। संचालन विनायक व परिणति ने किया। समारोह का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि प्रो. अरूप चक्रवर्ती, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वी.के. शर्मा और अधिष्ठाता प्रबंधन संकाय ने किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने विश्वविद्यालय की गौरवपूर्ण परंपरा, शैक्षणिक उपलब्धियों और सांस्कृतिक समृद्धि पर चर्चा की।

हाईकोर्ट के अधिवक्ता को मिली कानून में डॉक्टरेट की उपाधि

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के अधिवक्ता आलोक सरन को बीबीडी विश्वविद्यालय, लखनऊ से कानून में डॉक्टरेट (पीएचडी इन लॉ) की उपाधि मिली है। सोमवार को विवि परिसर में हुए दीक्षांत समारोह में सीएम योगी आदित्यनाथ ने 18 साल से हाईकोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे अधिवक्ता को पीएचडी इन लॉ की उपाधि दी। वह राज्य सरकार के अधिवक्ता भी रह चुके हैं। उनके मित्रों, शुभचिंतकों समेत वकीलों ने बधाई दी है।

राजकीय आईटीआई अलीगंज में 19 नवम्बर को होगा रोजगार मेला

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के तहत आगामी 19 नवम्बर 2025 को राजकीय आईटीआई अलीगंज परिसर में एक बड़े रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में ऑटोमोबाइल, मैन्युफैक्चरिंग और इंश्योरेंस क्षेत्र की कुल आठ प्रमुख कंपनियां युवा अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिभाग कर रही हैं।प्लेसमेंट प्रभारी एम.ए. खाँ के अनुसार रोजगार मेले में टाटा मोटर्स लिमिटेड लखनऊ, इण्डो ऑटो कम्पोनेंट प्रा. लि. गुजरात, डिलक्स बीयरिंग प्रा. लि. राजकोट, जय भारत मारूति अहमदाबाद, एजीस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस लखनऊ, वी.जी. ऑटो कम्पोनेंट प्रा. लि. गुजरात, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस लखनऊ और जेएनएस इन्स्ट्रुमेंट्स प्रा. लि. अहमदाबाद जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल होंगी।इन कंपनियों द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को 14,863 रुपये से 21,000 रुपये प्रतिमाह तक मानदेय प्रदान किया जाएगा, जिससे युवाओं को बेहतर रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर मिलने की उम्मीद है।

पेश होगा 47 अरब का पुनरीक्षित बजट, पार्को और सड़क पर खर्च होगा सबसे ज्यादा पैसा

लखनऊ, (संवाददाता)। करीब डेढ़ महीने से बजट की कमी से विकास कार्यों में आई रुकावट अब दूर हो सकेगी। मंगलवार को नगर निगम कार्यकारिणी में चालू वित्तीय वर्ष का पुनरीक्षित बजट पास किया जाएगा। मूल बजट 43 अरब का था जिसमें 400 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी कर 47 अरब का पुनरीक्षित बजट तैयार किया गया है। इसका प्रस्ताव नगर निगम मुख्यालय में अपराह्न 3 बजे होने वाली कार्यकारिणी की बैठक में लाया जाएगा। महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार के बीच करीब डेढ़ महीने तक चली तनातनी से शहर के विकास कार्यों पर भी असर पड़ा। सड़कों के गड्ढों को भरने का बजट समाप्त हो गया। गड्ढे भरने का काम पूरा भी नहीं हो पाया, क्योंकि पुनरीक्षित बजट अटका हुआ था। इसी तरह सफाई, मार्ग प्रकाश, पार्क सहित अन्य कार्यों के लिए भी बजट का 25 से 30 प्रतिशत ही बचा है। ऐसे में पुनरीक्षित बजट पास नहीं होने पर ये काम भी जल्द ठप जाते। इसे देखते हुए अब मंगलवार को नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक पुनरीक्षित बजट पास करने के लिए बुलाई गई है। नगर निगम का मूल बजट 31 मार्च से पहले पास किया जाता है, जो एक अप्रैल से लागू होता है। किसी कार्य के लिए जो बजट पास होता है, यदि उससे अधिक धनराशि पहले ही खर्च हो जाती है या होने का अनुमान होता है तो अक्तूबर में पुनरीक्षित बजट लाकर धनराशि बढ़ाई जाती है। नगर निगम अधिनियम के प्रावधान के तहत पुनरीक्षित बजट अक्तूबर के पहले सप्ताह में पास हो जाना चाहिए, मगर इस वर्ष यह अब तक नहीं हो पाया है। बजट पास करने के लिए कार्यकारिणी बैठक बुलाई जाती है। यहां बजट पास होने पर उसे अनुमोदन के लिए सदन में भेजा जाता है। नगर आयुक्त और महापौर के बीच चल रहे टकराव से पुनरीक्षित बजट अटका हुआ था।

यूपी एक्साइज सिटिजेन ऐप' का शुभारंभ, अब शराब उपभोक्ताओं को मिलेगी पारदर्शी और तत्काल जानकारी

लखनऊ, (संवाददाता)।उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने गुरुवार को गन्ना संस्थान स्थित सभागार में 'यूपी एक्साइज सिटिजेन ऐप' का औपचारिक शुभारंभ किया। विभाग द्वारा तैयार किया गया यह ऐप मदिरा और बीयर खरीदने वाले उपभोक्ताओं को पारदर्शी और विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि आबकारी विभाग देशी शराब, कम्पोजिट दुकानों, मॉडल शॉप, प्रीमियम रिटेल वेन्ड्स और बार अनुज्ञापनों से मानक मदिरा एवं बीयर की बिक्री सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उपभोक्ताओं के प्रति पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से 'यूपी एक्साइज सिटिजेन ऐप' विकसित किया गया है, जिसे कोई भी व्यक्ति गूगल प्ले स्टोर और ऐप्पल ऐप स्टोर से अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर सकता है।उन्होंने बताया कि उपभोक्ता किसी भी शराब की बोतल, टेट्रा पैक या कैन पर लगे एक्साइज एडहेसिव लेबल के क्यूआर कोड को ऐप से स्कैन कर संबंधित उत्पाद से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। क्यूआर कोड स्कैन करते ही मोबाइल स्क्रीन पर ब्रांड का नाम, मदिरा की तीव्रता, पैकिंग का प्रकार (ग्लास, पेट, टेट्रा पैक, कैन), एमआरपी, आपूर्ति का प्रकार, संबंधित फुटकर दुकान का नाम और शॉप आईडी सहित अन्य विवरण प्रदर्शित हो जाएंगे। साथ ही यह जानकारी भी उपलब्ध होगी कि उस बोतल को किस थोक अनुज्ञापन से कब स्टॉक–इन किया गया था।मंत्री ने कहा कि ऐप के माध्यम से बीयर, वाइन, एलएबी, व्हिस्की, वोडका, रम, जिन, देशी शराब और यूपीएमएल जैसे सभी वर्गों की मदिरा से संबंधित जानकारी उपभोक्ता सरलता से सत्यापित कर सकेंगे। इससे नकली, अवैध या ओवररेट मदिरा की बिक्री पर अंकुश लगाने में भी मदद मिलेगी।

नदियों में मछली संसाधन बढ़ाने की बड़ी पहल

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय निषाद की अध्यक्षता में न्यू लक्ष्मण पार्क, गोमती रिवर फ्रंट पर राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत "रिवर रैंचिंगध्जन जागरूकता कार्यक्रम" आयोजित किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश मत्स्य विकास निगम लिमिटेड, गोमती हैचरी, लखनऊ से 02 लाख भारतीय मेजर कार्पकुरोहू, कतला और नैनाकृके 80 से 100 एमएम आकार के मत्स्य बीज गोमती नदी में प्रवाहित किए गए। साथ ही मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत एयरेशन सिस्टम तथा मछुआ दुर्घटना बीमा योजना के कुल छह लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. संजय निषाद ने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का मुख्य उद्देश्य नदियों में मत्स्य संसाधनों को पुनर्जीवित करना, पारंपरिक मत्स्य पालन को प्रोत्साहित करना, मछुआ समुदाय की आजीविका को सुदृढ़ बनाना और जलीय जैव विविधता को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि नदी आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखने के लिए रिवर रैंचिंग जैसी गतिविधियां अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इससे नदियों में मछली प्रजातियों की संख्या और विविधता दोनों बढ़ती हैं।मत्स्य विकास मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएं, जिससे नदी संरक्षण के प्रयास गति पकड़ें और मत्स्य उत्पादन में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मत्स्य उत्पादन में उत्तर प्रदेश को अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ सीधे मिल सके।

कृषि क्षेत्र को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में बड़ा विमर्श

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मरकरी ऑडिटोरियम में आयोजित "विकसित उत्तर प्रदेशद्2047" बेस्ट प्रैक्टिस एवं विजन डॉक्यूमेंटेशन विचार गोष्ठी में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित विकसित भारत के संकल्प में उत्तर प्रदेश के कृषि क्षेत्र की विशेष भूमिका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कृषि को नवाचार, तकनीक, प्रबंधन और उत्पादकता के नए आयाम मिल रहे हैं।कृषि मंत्री ने बताया कि वर्ष 2047 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को छह ट्रिलियन यूएस डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है, जिसमें अकेले कृषि क्षेत्र को एक ट्रिलियन यूएस डॉलर का योगदान देना होगा। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, वैज्ञानिकों, कृषि विज्ञान केंद्रों के विशेषज्ञों और प्रगतिशील किसानों ने गोष्ठी में बदलते कृषि परिदृश्य और भविष्य की आवश्यकताओं पर विस्तृत विचार रखा।सहकारिता राज्य मंत्री जे.पी.एस. राठौर ने बताया कि कार्यशाला में तकनीक आधारित खेती, फसल विविधीकरण, उर्वरकों की समयबद्ध उपलब्धता, कृषि ऋण की सुगमता और सहकारी समितियों की भूमिका को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में जिला सहकारी बैंकों का पुनरुद्धार, किसानों के विश्वास को बढ़ाने में अहम साबित हुआ है। सभी सहकारी समितियों को कैश क्रेडिट लिमिट प्रदान की गई है और ओवर–रेटिंग रोकने के लिए क्यूआर कोड उपलब्ध कराए जा रहे हैं।कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि नवाचार और आधुनिक तकनीक के साथ उत्तर प्रदेश 2047 तक कृषि क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।विचार गोष्ठी में कृषि विकास के 22 संकल्पों पर आधारित लक्ष्यों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने कृषि प्रबंधन सुधार, फसल विविधीकरण, मिट्टी स्वास्थ्य, पोस्ट हार्वेस्ट तकनीक, डिजिटल एग्रीकल्चर, क्लाइमेट रेजिलिएंट फार्मिंग, क्रेडिट लिंकिंग, वैल्यू एडिशन और अनुसंधान के विभिन्न पहलुओं पर प्रस्तुतियाँ दीं। डेलॉइट, ईवाई, आईआईपीआर, आईआईएसआर, सीएसएसआरआई, आईआरआरआई, आईआईएमआर और सीआईपीएचईटी जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञों ने कृषि क्षेत्र के लिए 2047 तक की व्यापक रणनीति पर विचार रखा।सचिव कृषि ने बताया कि विजन डॉक्यूमेंट–2047 के 22 मुख्य उद्देश्यों में कृषि की एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था, विविधिकरण, मृदा स्वास्थ्य संवर्धन, आधुनिक कृषि मशीनरी, उच्च गुणवत्ता के बीजों की समय पर उपलब्धता, किसानों की आमदनी को तीन गुना करना, स्मार्ट फसल विविधीकरण, कृषि वानिकी, बीमा कवरेज बढ़ाना और नवाचार आधारित कृषि को बढ़ावा देना शामिल है। प्रमुख सचिव नियोजन आलोक ने कहा कि नीति आयोग के तीन प्रमुख स्तंभकृअर्थशक्ति, जीवनशक्ति और सृजनशक्तिकृके अनुरूप सभी क्षेत्रों को मिलकर कार्य करना होगा। कृषि प्रोसेसिंग और निर्यात को बढ़ावा देकर उत्तर प्रदेश कृषि क्षेत्र में बड़े आर्थिक लक्ष्य हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रोडक्टिविटी के मामले में प्रदेश को हरियाणा और पंजाब से आगे निकलना होगा।नीति आयोग की सलाहकार डॉ. राका सक्सेना ने बताया कि भारत की विकास दर 5 प्रतिशत है जबकि उत्तर प्रदेश 5.5 प्रतिशत की गति से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के 9 करोड़ किसान कृषि पर निर्भर हैं, जिनमें अधिकांश महिलाएं हैं। इसलिए जेंडर–फ्रेंडली कृषि इकोसिस्टम विकसित करने की आवश्यकता है।

योगी सरकार की समीक्षा के बाद अयोध्या में तेज हुई तैयारियाँ,नगर निगम ने संभाला मोर्चा,शहर मे रहेगा उत्सव जैसा माहौल

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा रामनगरी अयोध्या की तैयारियों की लगातार समीक्षा के बाद नगर निगम ने 25 नवंबर को श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में प्रस्तावित धर्म ध्वजारोहण समारोह को अविस्मरणीय बनाने के लिए व्यापक और व्यवस्थित तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। शहर को उत्सवमय वातावरण देने के लिए नगर निगम ने भक्ति, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण तीनों मोर्चों पर बड़े स्तर पर अभियान चलाया है। नगर निगम के पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम से भगवान श्रीराम के भजन और हनुमान चालीसा का नियमित प्रसारण पूरे शहर में माहौल को आध्यात्मिक बना देगा। सभी प्रमुख चौराहों, मार्गों और अंडरपास को फूलों की आकर्षक सजावट से दुल्हन की तरह संवारा जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं और विशिष्ट आगंतुकों का स्वागत भव्य और यादगार हो।

'महापौर ने दी जानकारी, फूलों की सजावट, सेल्फी प्वाइंट और भक्ति का माहौल'

सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने बताया कि प्रत्येक चौराहे को फूलों की सजावट से संवारने की तैयारी है। शहर में आकर्षक सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। 1546 स्वच्छता कर्मियों की टीम सफाई अभियान में लगातार जुटी है। 470 अस्थायी थ्च्च टॉयलेट और 29 मोबाइल टॉयलेट श्रद्धालुओं के लिए लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक सप्ताह तक चलने वाले विशेष स्वच्छता अभियान में स्थानीय लोगों, बच्चों, व्यापारियों और संस्थानों को भी सहभागी बनाया जाएगा। नगर

आयुक्त ने बताया 60 वार्डों में विशेष सफाई और प्लास्टिक मुक्त अभियान। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि बुधवार से नगर क्षेत्र के 60 वार्डों में विशेष सफाई, कचरा प्रबंधन और प्लास्टिक मुक्त शहर अभियान की शुरुआत हो चुकी है।

'मुख्य तिथियों और गतिविधियों की जानकारी'

20 नवंबररू सुबह 7 बजे सरयू घाट एवं राम की पैड़ी की व्यापक सफाई, दोपहर में शिक्षाविदों व संतों की ऑनलाइनध्ऑफलाइन बैठक होगी 21 नवंबर सुबह 8 बजे लता चौक से छोटी देवकाली तक 1000 बच्चों की स्वच्छता रैलीध निकलेगी, वेंडर्स, होटल संचालकों और व्यापारियों के साथ क्रमिक बैठकों का आयोजन होगा। 22 नवंबर सुबह 8 बजे लता चौक से साकेत अंडरपास तक वाकाथन, होम स्टे संचालकों के साथ बैठक, उन्हें स्वच्छता अभियान से जोड़ने का आह्वान जबकि 23 नवंबर सुबह 8 बजे टेढ़ी बाजार से हनुमानगढ़ी तक ध्वजारोहण स्वच्छोत्सव रैली निकली जाएगी

'पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नगर निगम ने युद्धस्तर पर काम किया'

श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम ने पेयजल ढांचे को अपडेट करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। 9 ओवरहेड टैंक और 983 इंडिया मार्का हैंडपंप की मरम्मत कर उन्हें पूर्ण रूप से क्रियाशील किया गया है। पेयजल पाइपलाइन लीकेज मरम्मत कार्य अंतिम चरण में है। नलकूपों का संचालन और इलेक्ट्रॉनिक क्लोरीन सिस्टम से शुद्ध जल आपूर्ति सुनिश्चित की गयी है। 56 छोटी टंकियों की सफाई और क्लोरीनयुक्त जल की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है। शहर में 15 वाटर कियॉस्क, 81 वाटर कूलर और 25 स्मार्ट वॉटर कियॉस्क स्थापितध किये गए हैं। अतिरिक्त जलापूर्ति के लिए आसपास की नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों से टैंकर भी मंगाए गए हैं। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम ने लगातार साइट निरीक्षण कर सभी खामियों को दूर किया है।

'अयोध्या के सौंदर्यीकरण और स्वच्छता को दिया विशेष महत्व'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नगर निगम ने यह सुनिश्चित किया है कि रामनगरी में आने वाला प्रत्येक अतिथि चाहे श्रद्धालु हो, विशिष्टजन हो या विदेशी आगंतुक, अयोध्या की भव्यता, स्वच्छता और आध्यात्मिक वातावरण से प्रभावित हों। भक्ति संगीत, सजी हुई सड़कें, सुरक्षित पेयजल, स्वच्छ घाट और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था के साथ अयोध्या 25 नवंबर के ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ तैयारी में जुटी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की आधारशिला है : प्रो. आनंद त्यागी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर शिक्षक– शिक्षा विभाग तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर एवं मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के संयुक्त तत्वाधान में आठ दिवसीय एन. ई.पी. 2020 ओरियंटेशन एंड सेंसटाइजेशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन दिनांक 10 नवंबर 2025 से 18 नवंबर 2025 के मध्य संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा में कार्यरत शिक्षक, प्रशासक एवं शोधार्थियों के मध्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधारभूत सिद्धांतों एवं उनके व्यवहारिक स्तर पर लागू करने में प्रशिक्षित एवं जागरूक करने के लिए दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश भर से उच्च शिक्षा में कार्यरत लगभग 120 शिक्षक एवं शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ काशी विद्यापीठ वाराणसी के कुलपति प्रो., आनंद कुमार त्यागी एवं तिलकधारी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राम आसरे सिंह के व्याख्यान के साथ प्रारंभ हुआ। इस कार्यक्रम के को–ऑर्डिनेटर प्रो. सुधांशु सिन्हा विभागाध्यक्ष शिक्षा शिक्षा विभाग तिलकध्ाारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर एवं असिस्टेंट को–ऑर्डिनेटर डॉ. प्रशांत कुमार पाण्डेय ने संयुक्त रूप में प्रशिक्षण के कुल 16 सत्र का सफल संचालन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के लगभग दो दर्जन विशेषज्ञों ने अपने अनुभव एवं ज्ञान से संबोधित एवं प्रशिक्षित किया। मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र काशी विद्यापीठ के निदेशक प्रोफेसर सुरेंद्र राम एवं पाठ्यक्रम संयोजक प्रोफेसर रमाकांत सिंह जी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर वी.ब.सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय शिक्षा संकाय के डीन प्रोफेसर अजय कुमार दुबे, तिलकध्ाारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शिक्षक प्रशिक्षण विभाग के प्रोफेसर्स एवं टीचर री–स्किलिंग सेल के सदस्यों के सक्रिय सहयोग से आयोजित किया गया । कार्यक्रम को प्रत्येक दिवस के दो सत्रों में प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया एवं अपने जिज्ञासाओं का निदान भी संदर्भ दाताओं से प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों ने फीडबैक एवं मूल्यांकन गूगल फॉर्म के द्वारा प्रस्तुत किया। सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रशिक्षण केंद्र द्वारा प्रदान किया जाएगा जो कि शिक्षकों के प्रोन्नति में भी उपयोगी होगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सह–समन्वक डॉ. प्रशांत कुमार पाण्डेय ने समस्त प्रतिभागियों, शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, प्राचार्य एवं शिक्षक तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय जौनपुर एवं टीचर री स्केलिंग सेल के समन्वयक प्रो. सुधांशु सिन्हा एवं सदस्यों को हृदय से धन्यवाद दिया।

राम मंदिर सहित अयोध्या की सुरक्षा अब होगी हाई-टेक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।अयोध्या में होने वाले महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजनों, मेलों, पर्व–त्योहारों और वीवीआईपी कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए पुलिस सुरक्षा मुख्यालय अब अत्याधुनिक तकनीक का सहारा ले रहा है। इसी कड़ी में हवाई हमलों से बचाव और निगरानी के लिए 9 टेथर्ड ड्रोन खरीदे जा रहे हैं।प्रत्येक टेथर्ड ड्रोन की कीमत 55 लाख 45 हजार 822 रुपए तय की गई है। इस मद में शासन की ओर से कुल चार करोड़ 99 लाख 13 हजार रुपए का बजट स्वीकृत किया गया है। विशेष सचिव अन्नावि दिनेश कुमार ने इस संबंध ा में एडीजी सुरक्षा को पत्र भेजकर 18 जून को भेजे गए प्रस्ताव पर राज्यपाल द्वारा प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति मिलने की जानकारी भी दी है।धार्मिक स्थलों, विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा और मेला–पर्व के दौरान जांच–तलाशी के लिए विशेष दस्तों को उन्नत उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके तहत सुरक्षा मुख्यालय की ओर से बम खोजी और निरोधी दस्ते की टीम के लिए टेलिस्कोप मैनिपुलेटर लिया गया है। वहीं एएस चेक टीम, बम खोजी एवं निरोधी दस्ते (बीडीडीएस) और एंटी माइंस टीमों के लिए सर्च मिरर की खरीद की जा रही है।राममंदिर कार्यक्रम के मद्देनजर उच्च स्तर की सुरक्षा राममंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण को लेकर आयोजित होने वाले पांच दिवसीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री समेत देश के विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। इसे देखते हुए सुरक्षा प्रबंधन को और मजबूत करने के लिए तैयारियां तेजी से की जा रही हैं।सुरक्षा मुख्यालय ने ऐसे टेथर्ड ड्रोन चुने हैं, जो जमीन से तार के जरिए निरंतर ऊर्जा प्राप्त करते हैं। इससे वे लंबे समय तक हवा में रहकर लगातार निगरानी कर सकते हैं। वहीं जांच और तलाशी से जुड़े दस्तों को भी नए और आधुनिक उपकरणों से लैस किया गया है।अयोध्या धाम पहले से ही केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों की सूची में अति संवेदनशील श्रेणी में शामिल है। रामजन्मभूमि विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले और इसके बाद हुए मंदिर निर्माण तथा प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और दुनिया के कई देशों से आए विशिष्ट अतिथियों का आगमन इसे विशेष सुरक्षा क्षेत्र बनाता है।रामजन्मभूमि परिसर की सुरक्षा की समीक्षा हर तीन महीने में हाई–लेवल कमेटी द्वारा की जाती है। इसके अलावा रोजाना हजारों श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही होती है। साथ ही समय–समय पर ऐतिहासिक मेले और पर्व भी आयोजित होते हैं, जिनमें अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम की आवश्यकता रहती है।नए टेथर्ड ड्रोन और आधुनिक उपकरणों के शामिल होने से अयोध्या की सुरक्षा और निगरानी क्षमता में बड़ा विस्तार होने जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

फास्ट ट्रैक कोर्ट ने इंस्पेक्टर नीशू तोमर को व्यक्तिगत रूप से किया तलब

सुल्तानपुर। महिला आरक्षी से दुष्कर्म के मुकदमे में एफटीसी प्रथम जज राकेश यादव की अदालत में मंगलवार को भी आरोपी इंस्पेक्टर नीशू तोमर आरोप बनाने की कार्यवाही के दौरान हाजिर नहीं हुए,बल्कि उनके अधिवक्ता की तरफ से डिस्चार्ज अर्जी खारिज होने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती देने व याचिका लम्बित होने की अर्जी पेश करते हुए मौका देने की मांग की गई। ट्रायल कोर्ट ने इंस्पेक्टर नीशू तोमर की हाजिरी माफी अंतिम अवसर के साथ स्वीकार करते हुए अगली पेशी पर व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। मामले में चार्ज पर सुनवाई के लिए 24 नवम्बर की तारीख तय की गई है। कोतवाली नगर में महिला आरक्षी ने 14 जुलाई 2022 को इंस्पेक्टर नीशू तोमर के खिलाफ यौन शोषण समेत अन्य आरोपो में मुकदमा दर्ज कराया था,जिसमे इंस्पेक्टर नीशू तोमर की तरफ से पेश उन्मोचन अर्जी अदालत ने खारिज करते हुए उन्हें चार्ज पर सुनवाई के लिए तलब किया था,लेकिन वह गैरहाजिर चल रहे है और बार–बार मौका मांगा जा रहा है। अभियोजन पक्ष के निजी अधिवक्ता संतोष कुमार पाण्डेय ने आरोपी इंस्पेक्टर के इस कृत्य को मात्र ट्रायल लम्बित करने का माध यम बताया है। मामले में आरोपी के गैरहाजिर रहने की वजह से मुकदमे की कार्यवाही लगातार बाधित चल रही है।

ट्रेन में मिली महिला की शव,बगल में मिली दो वर्ष की बच्ची

अयोध्या । कैंट रेलवे स्टेशन पर सरयू यमुना एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 14650) के 53 कोच में एक अज्ञात महिला का शव मिला।शव के पास दो साल की एक बच्ची भी रोती हुई पाई गई। पुलिस ने बच्ची को सुरक्षित निकालकर चाइल्ड केयर को सौंपा है, जबकि महिला की पहचान के प्रयास जारी हैं।सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक आरपीएफ अनुज कुमार अपने सिपाहियों के साथ तुरंत ट्रेन में पहुंचे।उन्होंने बच्ची को सुरक्षित आरपीएफ कार्यालय पहुंचाया और महिला के बारे में जांच शुरू की। महिला के पास से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज बरामद नहीं हुआ।आरपीएफ निरीक्षक हरीश शाही अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन द्वारा चाइल्ड हेल्पलाइन अयोध्या को सूचित किया गया। चाइल्ड केयर काउंसलर माधुरी यादव और सुपरवाइजर प्रीति तिवारी मौके पर पहुंचीं। पुलिस टीम ने बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराकर उसे चाइल्ड केयर अयोध्या को सौंप दिया।महिला के शव को एंबुलेंस से पोस्टमार्टम हाउस मोर्चरी भेजा गया है। अभी तक महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई है।स्थानीय पुलिस प्रशासन महिला की पहचान के लिए लोगों से संपर्क कर रहा है।बताया कि यह ट्रेन अमृतसर से बिहार के जयनगर (मधुबनी) तक जाती है।उन्होंने बताया कि किसी बारे में पता लगे तो उप निरीक्षक संजीव कुमार जीआरपी के मोबाइल नंबर 6388036100 व निरीक्षक जीआरपी अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन 9454 40 4406 पर सूचना दे।

सीएम योगी आदित्यनाथ की निगरानी में अयोध्या तैयार 25 नवंबर को होगा ऐतिहासिक ध्वजारोहण,पीएम मोदी फहराएंगे केसरिया ध्वज

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सतत निगरानी और मार्गदर्शन में अयोध्या ध्वजारोहण समारोह के लिए पूरी तरह सजदृध ाजकर तैयार हो रही है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि में भक्ति, उत्साह और उल्लास का ऐसा संगम दिखाई दे रहा है कि पूरा शहर श्जय श्रीरामश के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा है। राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर 25 नवंबर को होने वाले ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह की तैयारियां अब चरम पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति इस पर्व को और भी ऐतिहासिक बनाएगी।ध्वजारोहण समारोह का शुभारंभ मार्गशीर्ष अमावस्या के पावन अवसर पर 20 नवंबर को कलश यात्रा से होगा, जबकि इसका समापन 25 नवंबर को विवाह पंचमी के शुभ मुहूर्त में होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं श्रीराम मंदिर शिखर पर केसरिया धर्म ध्वज फहराएंगे। देशभर की निगाहें इस क्षण का साक्षी बनने के लिए अयोध्या पर टिकी हुई हैं।धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल में डूब चुकी अयोध्या को आकर्षक रोशनी, फूलों की सजावट और भव्य रंगोलियों से सजाया गया है। हर ओर भक्तों की भीड़ और जयकारों का माहौल है। सुबह–शाम राम धुन और मंत्रोच्चारण की गूंज से वातावरण और भी पावन हो उठा है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं,

बल्कि भारतीय संस्कृति और एकता का भव्य प्रतीक बनने जा रहा है। देशभर के प्रमुख संतों, विद्वानों, राजनेताओं, समाजसेवियों और हजारों श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया गया है। अतिथियों के सम्मान में मंदिर परिसर में रेड कारपेट बिछाया जाएगा।20 नवंबर को होने वाली कलश यात्रा समारोह की आधिकारिक शुरुआत करेगी। पवित्र यात्रा में 250 से अधिक महिलाएं भाग लेंगी, जो कलश लेकर मंदिर परिसर में परिक्रमा करेंगी। काशी के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ द्वारा तय किए गए शुभ मुहूर्त में आयोजित यह यात्रा पूरे माहौल को भक्तिमय बना देगी।जिलाधिकारी निखिल टीकाराम के अनुसार, अयोध्या में सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए है,सीसीटीवी निगरानी, ड्रोन सर्विलांस, ट्रैफिक कंट्रोल और इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम तैनात हैं।दक्षिण भारत के प्रतिष्ठित आचार्य और विद्वान अयोध्या पहुंच चुके हैं। वे 21 नवंबर से वैदिक अनुष्ठानों की शुरुआत करेंगे। इनमें शामिल होंगे वैदिक मंत्रोच्चारण,हवन,विशेष पूजन,रामदृसीता विवाह की परंपराओं का जीवंत स्वरूप ये अनुष्ठान 25 नवंबर तक लगातार चलेंगे।जिनके माध्यम से राम विवाह उत्सव की दिव्यता को पुनर्जीवित किया जाएगा।तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, 23 से 25 नवंबर तक विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी। इनमें शामिल होंगे सांस्कृतिक प्रस्तुतियां,लोक नृत्य,भक्तिमय संगीतमय आयोजन,छह छोटे मंदिरों और सप्त मंदिरों की विशेष पूजा,इन कार्यक्रमों को देखने के लिए देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं में उत्साह चरम पर है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या पहुंचकर तैयारियों का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने साकेत महाविद्यालय परिसर स्थित हेलीपैड, राम मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। योगी सरकार ने ध्वजारोहण समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए अयोध्या में करोड़ों की विकास परियोजनाएं पूरी की हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट,अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन,चौड़ी व आधुनिक सड़कों का निर्माण,पार्किंग जोन और बैरिकेडिंग,आकर्षक लाइटिंग,सुरक्षा को लेकर अयोध्या में तीन स्तर की विशेष व्यवस्था लागू है। वीआईपी आगमन को देखते हुए पुलिस, पीएसी, एटीएस और खुफिया इकाइयां अलर्ट पर हैं।इस ऐतिहासिक अवसर पर अयोध्या केवल धार्मिक आयोजन का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का चमकता प्रतीक बन रही है। ध्वजारोहण समारोह के लिए देश भर के भक्तों में उत्साह चरम पर है और रामनगरी इस महाउत्सव को अविस्मरणीय बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

पीएम मोदी 25 नवंबर को वाल्मीकि एयरपोर्ट से सीधे हेलीकॉप्टर द्वारा पहुँचेगे साकेत कॉलेज,फिर सड़क मार्ग से जायेगे रामजन्मभूमि

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। 25 नवंबर को होने वाले राम मंदिर ध्वजारोहण कार्यक्रम को लेकर अयोध्या प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसी दिन एयरफोर्स के विशेष विमान से महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरेंगे। यहां से वे हेलीकॉप्टर के माध्यम से साकेत डिग्री कॉलेज में बनाए गए अस्थायी हेलीपैड तक पहुंचेंगे।देखे तो हेलीपैड निर्माण का कार्य लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड द्वारा पीएम प्रोटोकॉल के अनुरूप तेजी से पूरा कराया जा रहा है।एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए चुने गए विशिष्ट लोगों को पहले से सुरक्षा होल्डिंग एरिया में रोका जाएगा।हेलीपैड पर उतरने के बाद प्रधानमंत्री करीब 300 मीटर की दूरी सड़क मार्ग से तय कर आदिगुरु शंकराचार्य द्वार से रामजन्मभूमि परिसर में प्रवेश करेंगे। प्रशासन इस रूट को सबसे सुरक्षित और फूलप्रूफ मानकर तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है।हालांकि यह अंतिम कार्यक्रम तभी माना जाएगा,जब एसपीजी द्वारा इसकी आधिकारिक सहमति मिल जाएगी। प्रधानमंत्री की सुरक्षा टीम कार्यक्रम से तीन दिन पहले अयवकी्या पहुंचने की संभावना है। पिछले दस दिनों से जिला प्रशासन पीएम के आगमन की तैयारियों में जुटा हुआ है।जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे ने एसपीजी से समन्वय की जिम्मेदारी अपर जिलाधिकारी (नगर) योगानंद पांडेय को सौंपी है।पुलिस और प्रशासनिक टीमें भी उनके साथ लगातार संपर्क में हैं।कार्यक्रम में कुल सात हजार अतिथियों के आने की संभावना जताई गई है। इनमें एक हजार अति विशिष्ट और छह हजार विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। विशिष्ट अतिथि अवध, काशी, गोरक्ष और कानपुर प्रांतों से बुलाए गए हैं, जिनमें किसान, ड्राइवर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और ग्राम प्रधान जैसे आमजन भी शामिल हैं।अति विशिष्ट अतिथियों की सूची में उन लोगों को रखा गया है जिनका राम मंदिर आंदोलन से विशेष संबंध रहा है। इसमें उद्योगपति समेत विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियाँ शामिल हैं।चर्चा है कि रिलायंस समूह के चेयरमैन मुकेश अंबानी के अलावा पद्मनाथ जिंदल मफतलाल,रूपल विशाद मफतलाल, संजय सिंघल, मयंक सिंघल, डॉ. एम. सत्यनारायण रेड्डी, गोविंद विनायक जोशी, अनिल कुमार जोशी, प्रतिभा जोशी, चिराग लाखी, उदित आनंद, विजय आनंद, अशोक गोयल और कविता गोयल भी इस सूची में सम्मिलित हैं।

संक्षिप्त खबरें

जिले के अधिकतर सीएचसी व पीएचसी केंद्रों पर पोलियो ड्रॉप व वैक्सीन का अभाव

अयोध्या।जिले के अधिकतर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केदो पर पोलियो ड्राप तथा पोलियो वैक्सीन अभाव है।जिसके चलते शहर के अलावा ग्रामीण अंचलों से भी लोग अपने बच्चों को पोलियो ड्राप ड्रॉप तथा पोलियो वैक्सीन जिला महिला चिकित्सालय आ रहे हैं।परिणाम स्वरूप जिला महिला अस्पताल में भारी संख्या में लोग पोलियो ड्राप तथा वैक्सीन के लिए आ रहे हैं।जिसके चलते यहां पर आए दिन पोलियो ड्राप तथा पोलियो वैक्सीन की कमी बनी रहती है। जिसके चलते दूर दराज से महिला अस्पताल अपने बच्चों को पोलियो ड्राप व वैक्सीन पिलाने वाले लोगों को यहां पर पोलियो ड्राप हुआ वैक्सीन ना मिलने के चलते आए दिन वापस भी होना पड़ रहा है।जानकारों की माने तो भारत को पोलियो मुक्त रखा गया है जिसके चलते अब जिले में वैक्सीन तथा ड्रॉप का आना काम हो गया है। अभी पिछले दो–तीन दिनों से सैकड़ो की संख्या में शहर व ग्रामीण क्षेत्र से कई बच्चे बिना वैक्सीन वी पोलियो ड्रॉप के वापस गए। काफी मांग के बाद मंगलवार को 50 पोलियो वैक्सीन जिला महिला अस्पताल में उपलब्ध हुआ जिसमें से महज एक दिन में ही 34 वैक्सीन का उपयोग हो चुका है। जिला महिला अस्पताल मे तैनात गर्मियों के मुताबिक केवल जिला महिला चिकित्सालय में अकेले एक महीने में 475 वैक्सीन तथा 2000 से ऊपर ड्रॉप की जरूरत पड़ती है। लेकिन जिले के अन्य सामुदायिक केदो तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केदो पर इस समय पोलियो ड्राप तथा वैक्सीन का अभाव है जिसके चलते ग्रामीण अंचलों के लोग भी अपने–अपने बच्चों को लेकर यहां पर आ रहे हैं जिसके चलते यहां पर पोलियो ड्राप तथा वैक्सीन की कमी हो रही है। जिम्मेदार कर्मियों ने बताया कि कोशिश यही रहती है कि जिला महिला चिकित्सालय से कोई भी बच्चा बिना पोलियो ड्राप या वैक्सीन के वापस न जाए।

रोडवेज बस ओवरटेक के चक्कर में बुलेट सवार झुलसा हालत गंभीर वाराणसी रेफर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में सुल्तानपुर हाईवे पर बुधवार दोपहर एक रोडवेज बस और बुलेट बाइक की टक्कर हो गई। बक्शा थाना क्षेत्र के कुलहनामऊ नेशनल हाईवे 736 पर हुई इस दुर्घटना में बुलेट बाइक जलकर राख हो गई, जबकि बाइक सवार गंभीर रूप से झुलस गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, जौनपुर से सुल्तानपुर की ओर जा रही रोडवेज बस ने उसी दिशा में चल रहे बुलेट बाइक सवार को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान बस चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बुलेट बाइक बस के पिछले टायर की चपेट में आकर करीब 2 मीटर तक घिसटती चली गई। घर्षण से बुलेट की पेट्रोल टंकी फट गई और मौके पर ही जोरदार धमाके के साथ बाइक में आग लग गई। बुलेट पूरी तरह से जलकर राख हो गई, और बाइक सवार गंभीर रूप से झुलस गया। दुर्घटना देख आसपास के लोग तुरंत मौके पर जमा हो गए। उन्होंने तत्काल एंबुलेंस की मदद से घायल बाइक सवार को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष लक्ष्मण विक्रम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक कानूनी कार्यवाही शुरू की। पुलिस बस चालक की पहचान और दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। घायल बाइक सवार की पहचान सरपतहा थाना क्षेत्र के उपाध्यायपुर गांव निवासी 20 वर्षीय हिमांशु पुत्र महेंद्र के रूप में हुई है।

साइबर अपराध पर वर्कशॉप आयोजित, डीजीपी के निर्देश पर विशेषज्ञों ने दी बचाव की जानकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के निर्देश पर एक कार्यशाला का आयोजन बुधवार को किया गया। यह कार्यशाला पुलिस लाइन स्थित बहुद्देश्यीय सभागार में सुबह 11 बजे शुरू हुई। इसमें उत्तर प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण और एडीजी पीयूष मोर्डिया वर्चुअली जुड़े। कार्यशाला में साइबर विशेषज्ञ राहुल मिश्रा ने वर्तमान परिवेश में बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के तरीकों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने साइबर ठगों द्वारा श्डिजिटल अरेस्टश के माध्यम से की जा रही ठगी के नए तरीकों और उनसे बचने के उपायों के बारे में भी बताया। इस मामले में जानकारी देते हुए ।एसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि डीजीपी के मार्गदर्शन में हाइब्रिड मॉडल पर साइबर अपराध को लेकर यह कार्यशाला आयोजित की गई है। इसमें कुछ विशेष साइबर विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। यातायात से संबंधित श्सेव लाइफ फाउंडेशनश को भी यहां बुलाया गया था। सिंह ने आगे बताया कि इन सभी के माध्यम से साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। इसके अलावा, यूट्यूब के माध्यम से भी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से श्डिजिटल अरेस्टश के बढ़ते मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि इनसे बचाव के लिए सावधानी बरतना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तूभ, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र, एसपी आयुष श्रीवास्तव, एसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह और सहायक पुलिस अधीक्षक गोल्डी गुप्ता सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।